2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

website : www.kumawatindiapatrika.com

वर्ष-5 | अंक-8 मार्च-2022 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

देवी लाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल

DLMEH
Eye Care We Care

24x7 इमरजेंसी सेवाएं

(फेको सर्जरी सेन्टर)

ISO: 9001-2015 सर्टिफाईड आई हॉस्पिटल

नेत्र रोगीयों को समर्पित क्षेत्र का एकमात्र अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त आई हॉस्पिटल

RGHS के तहत सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स का कैशलेस उपचार (ओ.पी.डी., आई.पी.डी., दवाईयाँ) की सुविधा

विद्युत विभाग (JVVNL, AVVNL, JdVVNL, RVPN, RVUNL) के सभी कर्मचारीयों एवं पेंशनर्स का RGHS के नियमानुसार उपचार सुविधा

RGHS

Rajasthan Government Health Scheme

राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना

डॉ. सुनिता कुमावत

(Glaucoma & Phaco Surgeon)

M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)

डॉ. वी.के. गुप्ता
(नेत्र रोग विशेषज्ञ)
M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)

डॉ. दीपक गोयल
भेंगापन (Squint) रोग विशेषज्ञ
M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)

डॉ. सुनिल ठाकुर
रेटीना (पदरोग) विशेषज्ञ
M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)

- मोतियाबिन्द (Cataract)
- कालापानी (Glaucoma)
- नखुना (Pterygium)
- नासूर (Dacryocystitis)
- पर्दा रोग (Retina)
- भेंगापन (Squint)
- O.C.T
- PERIMETRY
- ROP SCREENING
- FUNDUS

विमल कुमावत (निदेशक)
मो.6376957834

सेन्टर I
रेल्वे स्टेशन रोड़, चौमूँ (जयपुर)
8442080910, 8740080910

सेन्टर II
दांता रोड़, कि.रेनवाल (जयपुर)
9602587835, 9530093030

TALENT

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		मनोज सिरस्वा	**मो. 9414043127**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428 एवं खेमचंद खड़गटा 9829140629, अशोक कुमावत - 9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

त्योहार हमारे जीवन के अभिन्न अंग है। भारतीय परंपराओं में त्योहार मनोरंजन एवं खुशियां लेकर आता है, इससे जीवन की चिंताओं हरण होता हैं तथा मिलजुल कर त्योहार मनाने से सामाजिकता और आपसी सामंजस्य की भावना विकसित होती है। हंसी खुशी त्योहार मनाने से मन में उमंग एवं उत्साह का संचार होता है तथा जीवन की शून्यता एवं नीरसता दूर होती है। अपनों के बीच त्योहार मनाने से अपनत्व की भावना विकसित होती है।

दूसरी ओर हमारा जीवन जन्म से मृत्यु तक परीक्षाओं से गुजरता है चाहे विद्यार्थी जीवन हो या युवावस्था या फिर वृद्धावस्था, हम परीक्षा से गुजरते ही रहते हैं। परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर हमें खुशी मिलती है तथा आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती। यदि असफल हो जाते हैं तो दु:ख तथा ग्लानि महसूस होती। हमें पुन: परीक्षा देने में समय बर्बाद करना पड़ता है। यह सभी जानते हैं की अमूल्य समय कभी लौट कर नहीं आता, इसलिए जीवन में लक्ष्य बनाकर तैयारी करनी चाहिए चाहे परीक्षा उत्तीर्ण करना ही क्यों न हो। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए गलत साधनों यथा नकल का उपयोग करना कदापि सही नहीं है, हो सकता है इससे क्षणिक सुख मिले किंतु मन अपराध बोध से ग्रस्त रहता है, ऐसा करने पर भविष्य में जीवनरूपी परीक्षा को उत्तीर्ण करना बड़ा ही कठिन हो जाता है। यदि पहले मेहनत की गई है तो आगे भी सफलता की पूर्ण गुंजाइश होती है। यह जीवन की वास्तविक कसौटी है, जिस पर आगे का सम्पूर्ण जीवन निर्भर है। केवल मनोरंजन में जीवन को व्यर्थ बर्बाद करना सफलता के लिए बाधक हो सकता है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में वही सफल होता है जो खरा सोना होता है। परीक्षार्थी को हमेशा कठोर मेहनत करने से परहेज नहीं करना चाहिए। यदि नींव मजबूत है तो ऊपर का भवन अवश्य मजबूत होगा इसके विपरीत नींव कमजोर है तो ऊपर का भवन कितना ही आलीशान हो वह कभी भी धराशाई हो सकता है।

प्रतियोगिता परीक्षाओं के इस दौर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ही सफलता की सीढ़ी है। हमारे विद्यार्थियों को अपनी बुनियाद को मजबूत बनाना तथा प्रत्येक स्तर पर पर आगे की इमारत को मजबूती से खड़ा करना जरूरी है। तब ही एक अच्छा नागरिक बनता है तथा जीवन में विकास के पथ पर अग्रसर हुआ जा सकता है। इसके लिए हमें व्यवहारिक, रोजगारोन्मुखी, नैतिक तथा संस्कारयुक्त शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। जिससे हमारी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण रखते हुए हुनरमंद तथा अच्छा नागरिक बना जा सके।

होली का त्योहार हम मना चुके है अब गणगौर का त्योहार आ रहा है, जो विशेषरूप से महिलाओं के द्वारा मनाया जाता है। कुमावत जातीय दिवस **रामनवमी** भी आगमन को है। आप इन सभी त्योहारों से स्वयं को कनेक्ट करें व इनका भरपूर आनंद लेवे। किन्तु ध्यान रहे पड़ोसी देश चीन में कोरोना ने पुन: दस्तक दे दी है, हमें सावधान रहने एवं कोरोना से बचाव के उपायों पर विशेष ध्यान देना होगा।

आप सभी को इन **'त्योहारों के गुलदस्ते'** के लिए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
कुमावत इंडिया पत्रिका की अपील : बच्चों को भी दें वैक्सीन का सुरक्षा कवच	4
कुमावत गौरव : डॉ. सुनिता कुमावत	5
वरिश्ठ संरक्षक : श्री रूपेश कुमावत	5
बाबू शोभराम की पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री निवास में कार्यक्रम	6
सिंगर शिवा कुमावत का 'भोलेनाथ तेरा दास' भजन यूट्यूब पर रिलीज	7
अंबलिकल हर्निया का स्कोला तकनीक से ऑपरेशन	7
हेमंत कुमार हेमू का बगड़ में कविता पठन	7
नगर महासभा उदयपुर का 2 वर्षों का लेखा-जोखा	7
''ढूंढाड़ की धमाल 2022'' का आयोजन	8
वायस्टोरीज नि:शुल्क प्लेटफॉर्म की शुरुआत	8
अणतपुरा की लाडली बेटी सन्जु कुमावत बनी दिल्ली पुलिस की जवान	8
पिंकी कुमावत का SBI में चयन	9
सुंदर लाल कुमावत तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित	9
अरुण कुमावत खादी बोर्ड के सदस्य बने	9
कृष्ण कुमावत JEN बने	9
नेहा को कांस्य पदक	9
पूजा कुमावत पर्यवेक्षक पद पर चयन	9
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का स्थापना दिवस 2 अप्रेल को	9
काजीपुरा में प्रतिभा सम्मान समारोह	10
मोहन कुमार बालोदिया व सुनील कुमावत विवेकानन्द गौरव से सम्मानित	10
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में अक्षांश चयनित	10
स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित	10
डॉ. पवन कुमार बासनीवाल श्री बालाजी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में प्रिंसिपल नियुक्त	11
राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति, जयपुर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन	11
सामुहिक विवाह समाचार	12
रामनवमी	13
स्थापना दिवस विशेष 13 अप्रैल	
मुश्किलों को मात देकर मिसाल बनी टीम चेतन धुंधारिया	14
प्रभूलाल कुमावत DSP का अभिनन्दन	14
संत मुरली मनोहर अकिंचन द्वारा श्रीमद्भागवत कथा आयोजन	15
गौर-गौर गणपति ईसर पूजे, पार्वती...	16
जायका जयपुर का : एल.एम.बी. : जहां मिलता है वर्ल्ड क्लास घेवर	17
डूंगरराम गैदर का हस्तशिल्प आर्टीजन्स द्वारा भव्य सम्मान	18
संरक्षक : श्री राजीव आसलीवाल	18
विश्व जल दिवस : आओ बचाएं जल	19
विवाह में केवल गुण या संपूर्ण कुंडली मिलान	20
पति प्रशंसा दिवस	20
शादियों में धन के साथ अन्न का अपव्यय भी रोकें	21
सीए जया कुमावत से वार्ता	22
नए सदस्य	22
नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित	23
विशिष्ट संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
सीए बनी भूमिका कुमावत सफता की कहानी उन्हीं की जुबानी	27
कुमावत समाज के शिक्षकों का राज्य स्तर पर अभिनंदन	28
आर्टिस्ट हंसराज चित्रभूमि	29
श्रद्धांजलि	29
बधाई विज्ञापन	30

कुमावत इंडिया पत्रिका की अपील: बच्चों को भी दें वैक्सीन का सुरक्षा कवच

भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। देश में मौतों का तांडव हम सभी ने देखा है। देश कभी गहरी निराशा में डूबा तो कभी इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में जीत की उम्मीदें बंधी। याद कीजिए वो दिन जब अस्पतालों के बाहर लाईन लग रही थी, लोग दवाईयों के लिए भटक रहे थे, ऑक्सीजन के अभाव में लोग दम तोड़ रहे थे। ऐसा मंजर हमें फिर कभी देखने को न मिलें। एक बार फिर चीन सहित दुनिया के अनेक देशों में बढ़ते कोरोना संक्रमण ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। यह भारत के लिए भी चिंता का विषय है साथ ही एक संकेत भी दे रहा है-**सर्तक रहने के लिए एवं सावधानी बरतने के लिए।** वैक्सीनेशन में देश का प्रदर्शन बेमिसाल रहा है। लेकिन हमें अभी रूकना नहीं है, अगर हम अपने बच्चों का भी टीकाकरण इसी रफ्तार से करवायेंगे तो इस पड़ाव को भी हम हरा देंगे। कोराना महामारी के तीन लहरें जिनको हम झेल चुके हैं। कोरोना का संक्रमण कम होते ही लोगों ने वैक्सीनेशन में रूचि लेना बंद कर दिया है या लापरवाह हो गये हैं। हमें कोरोना के सबसे बड़े हथियार वैक्सीनेशन में अपनी भागीदारी तेज करनी होगी। जिस तरीके से वैक्सीनेशन ड्राइव शुरू हुआ है उसी के कारण तीसरी लहर का असर ज्यादा देखने को नहीं मिला। अभी बच्चों का वैक्सीनेशन का जो अभियान शुरू हुआ है उसमें अभिभावक बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभायें। 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों को बायोलॉजिकल ई द्वारा निर्मित टीके कोर्बेक्स (Corbevax Vaccine) की दो खुराक 28 दिन के अंतर पर दी जानी है। सरकार द्वारा स्पष्ट **गाइडलाईन** है कि 12 से कम आयुवर्ग के बच्चों को टीकाकरण में शामिल नहीं किया जायेगा। दस्तावेजों की जांच के पश्चात ही टीकाकरण किया जायेगा। कोविन वेबसाइट पर पंजीयन की सुविधा भी शुरू कर दी गई है। इन बच्चों के लिए ऑनसाइट पंजीयन की सुविधा भी दी गई है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका अभिभावकों से अपील करती है कि वे अपना प्रथम कर्त्तव्य समझते हुए अपने बच्चों का वैक्सीनेशन करवायें और दूसरों को भी जागरूक करें। यह पूरी तरह से सुरक्षित है। घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। इन दिनों गर्मी तेज पड़ने लगी है ऐसे में छोटे बच्चों को डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है इसके लिए टीका लगवाने से पहले अच्छे से नाश्ता कराके ले जाना नहीं भूलें।

-रमेश गैदर, अध्यक्ष कुमावत इंडिया पत्रिका

डॉ. सुनिता कुमावत

वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ

MBBS, M.S. (Ophthalmology)

(ग्लूकोमा एण्ड फेको सर्जन)

डॉ सुनिता कुमावत का जन्म भट्टों की गली गांव, तहसील आमेर, जयपुर में श्री हरिनारायण कुमावत के परिवार में हुआ। इन्होंने बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल रहकर कई पुस्कार जीते। वर्ष 2009 में एमबीबीएस करके वर्ष 2013 तक राजकीय चिकित्सा क्षेत्र में अपनी सेवायें देना प्रारम्भ किया। वर्ष 2013 से 2016 तक एम.एस.(नैत्र रोग) की पढ़ाई की तत्पश्चात् फेको एवं ग्लूकोमा सर्जरी की देश के प्रतिष्ठित रेणु आई इंस्टीट्यूट दिल्ली से ट्रेनिंग ली। इन्होंने राजकीय सेवा में विशेष प्रशिक्षित (फेको एवं ग्लूकोमा सर्जन) सेवाएं देना शुरू किया। इन्हे जल्दी ही महसूस हुआ कि राजकीय सेवा में नेत्र चिकित्सा के अलावा भी अन्य कार्यों का भार उठाते हुए नेत्र रोगियों को वह चिकित्सा सेवाएं नहीं दे पा रही है, जिसके लिए वह प्रशिक्षित हुई है। इनका सपना था कि कस्बों के लोगों को भी प्रदेश स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिले।

डॉ. सुनिता कुमावत ने एच.आई.वी./एड्स मरीजों में ऑक्यूलर मेनिफेस्टेशन एवं न्यूरो फथेल्मोलोजिकल बीमारी पर कई रिसर्च पेपर लिखे जो कि विभिन्न नेशनल एवं इंटरनेशनल मेडिकल जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। डॉ. कुमावत को 2015 में राजस्थान ऑफथेलमोजी सोसाईटी द्वारा बेस्ट रिसर्च पेपर के लिए गोल्ड मेडल से नवाजा गया।

डॉ. सुनिता कुमावत ग्लुकोमा एवं फेको सर्जन ने अपने पति विमल कुमावत के साथ मिलकर सन 2018 में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधायुक्त देवीलाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल किशनगढ़-रेनवाल में शुरू किया। नवंबर 2020 में चौमूं में स्वंय का संपूर्ण चिकित्सा सुविधायुक्त हॉस्पिटल शुरू किया है, यहां सभी तरह के जांच व ऑपरेशन की सुविधा है। पिछले साढे तीन वर्ष में एक लाख से अधिक मरीजों का आंखों का सफल इलाज किया। चौमू तथा किशनगढ़-रेनवाल में संचालित देवीलाल मेमोरियल हॉस्पिटल नैत्र रोगियों लिए तरह वरदान साबित हो रहा है।

ग्लूकोमा स्थायी रूप से अंधा बना सकता है। बतौर ग्लूकोमा सर्जन, डॉ. सुनिता कुमावत बताती हैं कि ग्लूकोमा आंखों की सबसे खराब बीमारियों में से एक है। ग्लूकोमा के कारण गई हुई रोशनी किसी भी इलाज से वापस नहीं लाई जा सकती है, इसलिए समय पर जांच एवं इलाज आवश्यक है। देवीलाल आई हॉस्पिटल की टीम समय-समय पर ग्लूकोमा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को ग्लूकोमा जांच एवं इलाज हेतु जागरूक करते रहते हैं। अस्पताल में हर मरीज की ग्लूकोमा स्क्रीनिंग के लिए एन.सी.टी. मशीन द्वारा जांच की जाती है ताकि समय रहते बीमारी का पता चल सके।

डॉ. सुनिता कुमावत महिला दिवस को **वुमेन ऑफ दी ईयर 2022 अवार्ड** से पूर्व मुख्यमंत्री वंसुधरा राजे द्वारा सम्मानित किया गया उन्होंने डॉ. सुनिता कुमावत के कार्यों की प्रशंसा की तथा बताया कि उनके श्वसुर देवीलालजी की पुण्य स्मृति शुरू किया गया हॉस्पिटल आज जिले के साथ प्रदेश में अपनी अहम पहचान बना चुका है। इस हॉस्पिटल में पति विमल कुमावत मैनेजिंग डायरेक्टर की भूमिका निभाते हुए नैत्र रोगियों को अति आधुनिक इलाज उपलब्ध कराने में जुटे है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका डॉ. सुनिता कुमावत के चिकित्सीय सेवा कार्य की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

विशिष्ट संरक्षक

श्री रूपेश कुमावत

(मारोठिया)

पुत्र स्व. श्री नन्दलाल कुमावत
निवासी बी-17, किसान मार्ग,
बरकतनगर विस्तार
जयपुर-302015। मो. 9413334344

श्री रूपेश कुमावत ने R.R. Poddar Institute of Management से MBA किया है तथा अपनी फर्म गणेशम् रूफिंग्स तथा रिद्धि सिद्धि एन्टरप्राइजेज में Interior and Insulation Products, False Celing, Partion इत्यादि का व्यवसाय करते हैं। आपके पिता स्व. श्री नन्दलाल जी कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, जयपुर के उपाध्यक्ष भी रहे हैं, पिता की फर्म National & National Garment Fabrication है जिसे अब आपकी माता श्रीमती संतोष संभालती है। आपकी पत्नी श्रीमती श्वेता कुमावत आपकी फर्मों में विशिष्ट जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है। आपकी एक पुत्री कृति 7 वर्षीय है। आप स्वयं मृदु स्वभाव के हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

बाबू शोभाराम की पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री निवास में कार्यक्रम

स्वतंत्रता आंदोलन के अमर सेनानी, समाजसुधारक, किसानों के मसीहा तथा राजनीतिज्ञ बाबू शोभाराम कुमावत की 38वीं पुण्यतिथि 23 मार्च, 2022 को बाबू शोभाराम मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से उनकी जीवनी पर राजस्थान के मुख्यमंत्री निवास पर पोस्टर विमोचन व कुमावत समाज बंधुओं से संवाद कार्यक्रम रखा गया। अल्प सूचना पर पहले जैकब रोड सिविल लाईन्स जयपुर पर जयपुर तथा बाहर से आए हजारों लोग एकत्रित हुए जिसमें समाज के गणमान्य लोगों ने सभी को सम्बोधित किया। इसके पश्चात् सभी समाजबंधु मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। वहां कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मदन प्रजापति तथा मुख्य अतिथि श्री अशोक गहलोत माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान थे।

ट्रस्ट अध्यक्ष श्री एम एल कुमावत IPS, श्री आर. डी. वर्मा शिक्षाविद् उपाध्यक्ष, श्री डूंगरराम गेदर (उपाध्यक्ष शिल्प व माटी कला बोर्ड, राजस्थान) उपाध्यक्ष, श्री मुकेश वर्मा सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी, श्री सतीश चन्द्र कुमावत व्यवसायी कोषाध्यक्ष, श्री सीएम बड़ीवाल व्यवसायी उप कोषाध्यक्ष, श्री सुरेन्द्र लाम्बा एडवोकेट सचिव, श्री रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट सह सचिव, हेमाराम प्रजापत पूर्व अध्यक्ष राजस्थान विधानसभा अधिकारी कर्मचारी संघ भी मंच पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम माननीय मुख्यमंत्री द्वारा स्व. बाबू शोभारामजी कुमावत के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। श्री डूंगरराम गैदर, श्री मदन प्रजापत एवं श्री महेन्द्र लाल कुमावत ने बाबू शोभारामजी के बारे में अपने विचार रखे तथा उनके योगदान के बारे में सभी को अवगत कराया।

माननीय मुख्यमंत्री ने समाजबंधुओं से संवाद के तहत सरकार द्वारा जनउपयोगी घोषणाओं एवं उनकी क्रियान्विति से अवगत कराया। श्री बाबू शोभाराम कुमावत मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा बाबूजी की पुण्यतिथि पर इस कार्यक्रम को अल्प समय में विशाल स्तर पर आयोजित करने के लिए धन्यवाद।

हिन्दू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
टीम चेतन धुंधारिया
के स्थापना दिवस
की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ
(13 अप्रैल)

शुभेच्छु
भारती-रमेश तोंदवाल
सचिव, कुमावत प्रगति ट्रस्ट, जयपुर
60, जय जवान कॉलोनी द्वितीय,
टोंक रोड, जयपुर, मो. 9414810584

सिंगर शिवा कुमावत का 'भोलेनाथ तेरा दास' भजन यूट्यूब पर रिलीज

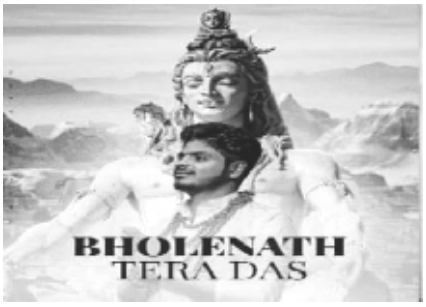

युवा सिंगर शिवा कुमावत का भजन 'भोलेनाथ तेरा दास' यू ट्यूब पर रिलीज किया गया है। इसे स्वयं शिवा ने लिखा व स्वरबद्ध किया है। रिलीज होते ही इसे अनेक लोगो द्वारा पसन्द कर सराहा गया है। इस अवसर शिवा कुमावत ने कहा कि उसके भजन यूट्यूब https://youtu.be/CWssnLunQvU पर उपलब्ध हैं।

अंबलिकल हर्निया का स्कोला तकनीक से ऑपरेशन

जयपुर के कांवटिया राजकीय चिकित्सालय में अंबलिकल हर्निया से पीड़ित 26 वर्षीय महिला का स्कोला तकनीक से सफल ऑपरेशन किया गया। डा. आर.जी. खंडेलवाल, एसोसिएटेड प्रोफेसर की टीम में **डा. आकाश कुमावत** भी थे।

इस ऑपरेशन के बाद मरीज स्वस्थ है। स्कोला तकनीक में दूरबीन से सामान्य जाली को पेट की दीवार की ऊपरी सतह पर लगाया जाता है, इससे आते चिपकती नही है।

हेमंत कुमार हेमू का बगड़ में कविता पठन

नागरिक मंच, बगड़, झुंझुनूं की ओर से होली पर चतुर्थ फागोत्सव कवि सम्मेलन हुआ। इसमें हास्य रस, वीर रस, श्रंगार रस आदि का सरोबार करते हुए विभिन्न कवियों ने अपनी कविताएं सुनाई। अभी श्रोताओं ने कविताओं का भरपूर आनंद लिया।

युवा कवि हेमंत कुमार हेमू ने विंग कमांडर अभिनंदन पर सुनाया कि, *'दुर्योधन की धमकी से रघुनंदन डरा नहीं करते, नागपास से लखन और रघुनंदन डरा नहीं करते, जबड़े फाड़े शेरों के खेल-खेल में वीरों ने, गीदड़ों की टोली के समक्ष अभिनंदन डरा नहीं करते।'* हेमू का यह वाक्यांश अखबारों की हेड लाइन बन गया। कवि सम्मेलन में उपस्थित श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से हेमू का उत्साह बढ़ाया। कवि हेमू जयपुर मेट्रो में स्टेशन मास्टर के पद पर पदस्थापित हैं तथा ये अलवर जिले के निवासी हैं।

कार्यक्रम में अशोक जसोरिया की पुस्तक 'ख्वाबों की मंजिल' का विमोचन भी हुआ। इस अवसर पर जिला उप प्रमुख बनवारी लाल सैनी, संतोष दाधीच, चेयरपर्सन सुशीला बुन्देला, पूर्व चेयरमैन राजेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

नगर महासभा उदयपुर का 2 वर्षों का लेखा-जोखा

नगर महासभा उदयपुर ने अपने द्वारा गत 2 वर्षों में किये गये कार्यों का लेखा-जोखा समाज के समक्ष पेश किया जो निम्न प्रकार है:-

1. महासभा भवन में प्रथम मंजिल निर्माण कार्य प्रगति पर।

2. कोरोनो कॉल में प्रधानमंत्री सहायता कोष में कोपलों से रु. 100/- एकत्रित कर रु. 51,000/- जमा करवाये।

3. कोरोना कॉल में ब्लड डोनेशन केम्प आयोजित व समाज बन्धुओ को मांगनुसार ब्लड उपलब्ध करवाया।

4. समाज बन्धुओ के स्वर्गवास पर ऑनलाइन श्रद्धांजलि अर्पित कार्यक्रम।

5. दिवगंत समाज बन्धुओ की स्मृति में तुलसी पौधा, तुलसी माला, परिंडा, श्रीरामजी की तस्वीर वितरत।

6. के.पी.एल.-4 का आयोजन।

7. अयोध्या में श्रीराम मंदिर की भूमि पूजन दिवस पर महासभा भवन में 501दीपक प्रज्वलित कर श्रीराम की स्तुति की।

8. दीपावली पर्व पर समाज बन्धुओ को सस्ती दर पर शुद्ध मिठाई व नमकीन उपलब्ध करवाई ।

9. समाज बंधुओं, भामाशाहों एवं निर्माण कार्य हेतु रु. 5000/- उधार देकर सहयोग करने वालों का धन्यवाद अर्पित किया।

कुमावत समाज अपनी सभी संस्थाओं से इस तरह कार्यों व हिसाब-किताब का लेखा-जोखा पेश करने की अपेक्षा रखता है। उम्मीद है हमारे समाज की सभी सामाजिक संस्थाएं इसका अनुसरण करेंगी।

''ढूंढाड़ की धमाल 2022'' का आयोजन

19 मार्च 2022 को ढूंढाड़ परिषद के तत्वावधान में ''ढूंढाड़ की धमाल 2022'' का आयोजन ई. पी. ईस्ट लॉन जयपुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां, अतिथि सांसद रामचरण बोहरा, ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर, पुनीत कर्णावत, पूर्व विधायक घनश्याम तिवाड़ी, अरुण चतुर्वेदी, मोहनलाल गुप्ता, ज्ञानदेव आहूजा के साथ जयपुर हेरिटेज ओर ग्रेटर के पार्षदगण सहित प्रमुख समाजों ओर व्यापार मंडलों के अध्यक्षों सहित कई गणमान्य प्रमुख लोगो दीप प्रज्वलन करके किया।

ढूंढाड़ के सुप्रसिद्ध गालीबाज कैलाश जी गौड़ ने पारम्परिक चंग ओर ढप के साथ गणेश वंदना कर कार्यक्रम की शुरुआत की, लोकप्रिय लोकगीत गायक बेबी आकांक्षा शर्मा, लोकगीत एवं भजन गायक कौशल कुमावत, लोकप्रिय शास्त्रीय संगीत गायक वरुण चतुर्वेदी, प्रसिद्ध कवि भगवान सहाय पारीक कवि मनीष पारीक कलवाड़ा ने प्रस्तुति दी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियाँ ने भी फाल्गुन के रंग में रंग गए ओर ढूंढाड़ का लोकप्रिय भजन ''**बाजे छ नौबत बाजा**'' गीत गाया।

ढूंढाड़ परिषद् के अध्यक्ष विजयपाल कुमावत ने बताया कि ढूंढांड़ के क्षेत्र ओर इतिहास की जानकारी दी।

अतिथियों का स्वागत ढूंढाड़ परिषद् की प्रदेश मंत्री एवं पार्षद वार्ड 59 हेरिटेज कपिला कुमावत ने किया साथ ही कार्यक्रम में अतिथियों का भव्य स्वागत सत्कार समिति के डा. एस. एस. अग्रवाल, सुनील भार्गव, राजू अग्रवाल, शैलेंद्र भार्गव, मनोज भार्गव ने किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति के अध्यक्ष तेज सिंह व साथियों ने किया।

कार्यक्रम में जयपुर शहर सहित ढूंढाड़ के क्षेत्र में आने वाले जिलों से कई गणमान्य लोग शामिल हुए ओर कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

आगंतुकों ने ढूंढाड़ परिषद को इस भव्य ओर सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया लोगो को इससे जुड़ने को लिए प्रेरित किया। -**विजयपाल कुमावत,** अध्यक्ष, ढूंढाड़ परिषद्

वायस्टोरीज नि:शुल्क प्लेटफॉर्म की शुरुआत

तीन दोस्तों गौरव कुमावत, श्याम नागा व अभिषेक कुमावत ने कोविड के दौरान स्टार्टअप्स को आ रही कठिनाइयों को ध्यान रखकर एक वायस्टोरीज प्लेटफॉर्म की शुरुआत की है। यह मीडिया प्लेटफॉर्म है जो स्टार्टअप्स व इंटरपयोनर्स को सोशल मीडिया पर एक अलग प्लेटफॉर्म द्वारा कवर करता है।

यह आर्टिकल एवं वीडियो के साथ बिजनेस संबंधी जानकारी, स्टार्टअप न्यूज, फंडिंग, नए प्रोजेक्ट, प्रेस रिलीज, सर्विस लांच आदि नि:शुल्क उपलब्ध कराता है।

यह वायस्टोरीज प्लेटफॉर्म 18 माह की अल्प अवधि में 1000 से ज्यादा आर्टिकल्स व स्टोरीज प्रकाशित कर चुका है।

अणतपुरा की लाडली बेटी सन्जु कुमावत बनी दिल्ली पुलिस की जवान

- पत्रकार मोना कुमावत

किशनगढ़ रेनवाल तहसील के ग्राम पंचायत अणतपुरा की सन्जु कुमावत सुपुत्री मालीराम दम्बीवाल का दिल्ली पुलिस में जवान बनाने पर समस्त ग्रामवासी में खुशी की लहर दौड़ पड़ी समाजसेवी एवं बड़े भाई गणेश राम कुमावत ने बताया कि इस सन्जु कुमावत के माता-पिता दोनों की कुछ सालों पहले आकस्मिक मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उसने और उसके परिवार ने संजू का हौसला टूटने नहीं दिया और पूरा सहयोग दिया। आज दिल्ली पुलिस में जवान बनाने पर पूरे परिवार को बहुत खुशी महसूस हो रही है।

आज प्राय: लोग अपने भाग्य और परिस्थितियों को कोसते हैं। जरा सोचिये अगर बल्ब का आविष्कारक एडिसन खुद को अनलकी (ìå5ì,â+) समझ कर प्रयास करना छोड़ देता तो दुनिया एक बहुत बड़े आविष्कार से वंचित रह जाती। अगर किसी काम में असफल हो भी गए हो तो क्या हुआ यह अंत तो नहीं है, फिर से कोशिश करो। **क्योंकि, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।**

संजू के चयनित होने पर महेश कुमावत (मोना) जिला मीडिया प्रभारी जयपुर ग्रामीण, रामनिवास, भींवाराम, नंदाराम, रामेश्वर, मोहन लाल कुमावत, (काको सा) ओमप्रकाश , मुकेश, अनुज (भाई) सहित समस्त दम्बिवाल परिवार एवं ग्रामवासी ने मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की तथा बधाई दी।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से संजू कुमावत को बधाई।

पिंकी कुमावत का SBI में चयन

पिंकी कुमावत पुत्री श्री पूरणमल जी कुमावत निवासी नयामौजा, आसलपुर का चयन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में हुआ। यह डायमंड एकेडमी सीनियर सैकेंडरी स्कूल,आसलपुर की होनहार छात्रा रही है। पिंकी कक्षा-12 की प्रथम टॉपर और प्रथम इंस्पायर छात्रवृत्ति (4 लाख) जीतने वाली छात्रा रही हैं। प्रतियोगी परीक्षा में पिंकी कुमावत का परिणाम इतना उत्कृष्ट था कि उन्हें गृह जिले के साथ-साथ गृह तहसील में पदस्थापित किया गया।

इस अवसर पर डायमंड एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक डॉ. सेवाराम कुमावत, प्रधानाचार्य शिक्षाविद कमलेश कुमावत व अन्य प्रबुद्ध शिक्षकगणों के साथ गणमान्य समाजजनों ने उपस्थित होकर पिंकी कुमावत को बधाई व शुभकामनाएं दी।

सुंदर लाल कुमावत तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित

राजसमन्द के 32 गांवों के श्री सुंदर लाल कुमावत तीसरी बार अध्यक्ष बने। ये पहले 2 बार मतदान से और इस बार सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री सुंदर लाल कुमावत हार्दिक बधाई।

अरुण कुमावत खादी बोर्ड के सदस्य बने

अरुण कुमावत को राजस्थान खादी बोर्ड के सदस्य मनोनीत किया गया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से श्री अरुण कुमावत को हार्दिक बधाई।

कृष्ण कुमावत JEN बने

कृष्ण कुमावत पुत्र श्री अर्जुन लाल कुमावत निवासी आडागैला टाकरड़ा (चौमूं) का बिजली विभाग में JEN पद पर चयन होने पर बहुत-बहुत बधाई हो।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का स्थापना दिवस 2 अप्रेल को

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजिस्टर्ड) की कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 13.2.2022 को बाल निवास, कल्याणजी का रास्ता जयपुर में हुई जिसमें महासभा का स्थापना दिवस दिनांक 2 अप्रेल, 2022 को मनाए जाने का निर्णय लिया गया। श्री रामेश्वर बम्बोरिया महासभा अध्यक्ष ने बताया कि स्थापना दिवस पर समाज के उत्थान की गतिविधियों पर चिन्तन किया जाएगा तथा समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। **-लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल**

नेहा को कांस्य पदक

पंजाब यूनिवर्सिटी की मेजबानी मे सुखना लेक, चण्डीगढ़ पर आयोजित ''ऑल इण्डिया इन्टर युनिवर्सिटी कयाकिंग एवं केनोइंग चेम्पियनशिप 2021-22'' की 500 मीटर K-1 स्पर्धा में नेहा कुमावत पुत्री सुरेश कुमावत को ''कांस्य पदक'' जीता है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से पदक जीतने पर नेहा कुमावत, उदयपुर को हार्दिक बधाई।

पूजा कुमावत पर्यवेक्षक पद पर चयन

पूजा कुमावत पुत्री श्री फूलचंद जी खोरानिया(कुमावत) निवासी काजीपुरा का कृषि पर्यवेक्षक पद पर चयन होने पर संपूर्ण कुमावत परिवार की ओर से ढेर सारी बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

कुमावत इण्डिया पत्रिका मासिक का प्रकाशन वक्तव्य

1.	प्रकाशन का स्थान	: जयपुर (राजस्थान)
2.	प्रकाशन की अवधि	: प्रतिमाह 21 तारीख
3.	मुद्रक का प्रकाशक का नाम	: छीतर मल कुमावत
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: एफ 31ए, एस एल मार्ग, लाल बहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर 302018
4.	सम्पादक का नाम	: रामप्रकाश कुमावत
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: 433 ए, सूर्यनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
5.	मुद्रक का नाम	: चेतन बालोदिया
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: राज ब्लॉक्स, साईं बाबा मन्दिर के पास, चौड़ा रास्ता, जयपुर, ब्रांच बी 81, करतारपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्र के स्वामी हैं	: कुमावत प्रगति ट्रस्ट, एफ 31/ए, एस.एल. मार्ग, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मैं छीतर मल कुमावत एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया विवरण सही है।

दिनांक : 21 मार्च, 2022 **-छीतर मल कुमावत, प्रकाशक**

काजीपुरा में प्रतिभा सम्मान समारोह

सांभरलेक के ग्राम काजीपुरा में कुमावत क्षत्रिय समाज की ओर से सत्यनारायण भगवान के मंदिर की 15वीं वर्षगांठ पर कुमावत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान कियाग या। समारोह के मुख्य अतिथि हरिश कुमावत पूर्व विधायक नावां तथा अध्यक्ष श्री निर्मल कुमावत विधायक फुलेरा, विशिष्ठ अतिथि पन्नालाल सिरस्वा अध्यक्ष एवं भींवाराम कोषाध्यक्ष कुमावत समाज सामुहिक विवाह समिति बन्धे बालाजी थे। रामदयाल एडवोकेट, शांति देवी सरपंच बबेरवालों की ढाणी, सरलादेवी सरपंच आसलपुर, पुरस्कृत वरिष्ठ अध्यापक प्रभुलाल पीपलोदा, आशा कुमावत पावर लिफ्टर, छीतरमल भूरोदिया सरपंच खारिया कुचामनसिटी, गौरा देवी सरपंच जोरपुरा जोबनेर, मधुसूदन रतिवाल, रवि कुमार सहायक अभियन्ता आदि गणमान्य लोग भी समारोह में उपस्थित थे।

निर्मल कुमावत विधायक ने ग्राम पंचायत काजीपुरा में पशु चिकित्सालय भवन स्वीकृत कराने की घोषणा की, वहीं हरिश कुमावत ने सामाजिक समरसता के लिए शैक्षणिक जागृति का संदेश दिया।

समारोह में प्रतिभाओं जिनमें विकास भूरोदिया को नीट (मेडिकल परीक्षा) में 408 लाने, संतोष अडानिया को भारतीय रक्षा अनुसंधान केन्द्र बैंगलुरू में चयचन, पूजा माचीवाल एवं पूजा चोराणियां कृषि पर्यवेक्षक तथा गणपत लाल कृषि क्षेत्र के ICAR में 24वीं रेंक लाने पर सम्मानित किया गया।

मोहन कुमार बालोदिया व सुनील कुमावत विवेकानन्द गौरव से सम्मानित

विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर युवा संस्कृति एवं राजस्थान युवा छात्र संस्था की ओर से सुबोध कॉलेज, जयपुर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभाओं को विवेकानन्द-गौरव से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायाधीश महेन्द्र गोयल थे। इस अवसर पर सुनील कुमावत को 'शिक्षा के क्षेत्र' में व मोहन कुमार बालोदिया को 'गायन के क्षेत्र' में विशिष्टि सेवाओं के लिए विवेकानन्द गौरव-2022 से सम्मानित किया गया। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से आपको बधाई व शुभकामनाएं।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में अक्षांश चयनित

उदयपुर के अक्षांश कुमावत का राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (द्वितीय चरण) में चयन हुआ है, आप एचडी एम एकेडमी के छात्र हैं। इन्हें 11वीं 12वीं कक्षा के दौरान क्रमशः रु. 1250 प्रतिमाह तथा ग्रेजुएशन के दौरान रुपए 2000 प्रतिमाह पढ़ाई क लिए मिलेंगे। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से अक्षांश कुमावत को बधाई व शुभकामना।

अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति संस्था ने मनाया फागोत्सव

अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति संस्था, जयपुर की ओर से फागोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनेक समाजबंधु उपस्थित थे। कार्यक्रम में फूलों व गुलाल के साथ होली खेली। इस अवसर पर संतोष बालोदिया, अंजू आशीर्वाद, भावना दंबीवाल, आशा बडीवाल, रेखा गैदर, रेणु कुमावत हेमलता कुमावत, अनिता छाबलिया मौजूद रही।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

ग्राम पंचायत कुली के मीठी कोठी की ढाणी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 102 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। पहले ही प्रयास में 102 यूनिट रक्त संग्रहण होना अपने आप में एक रिकॉर्ड हैं। ये सब कर्मठ युवा टीम और रक्तदाताओं की वजह से ही सम्भव हो पाया। रक्तदान महादान है, सभी युवाओं को वर्ष में एक बार रक्तदान करना चाहिए। श्री पन्नालाल कुमावत सरपंच ग्राम पंचायत कुली ने सभी रक्तवीरों को हार्दिक बधाई दी व युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ. पवन कुमार बासनीवाल श्री बालाजी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जयपुर में प्रिंसिपल नियुक्त

फार्मेसी जगत के जाने माने प्राध्यापक डॉ पवन कुमार बासनीवाल को श्री बालाजी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जयपुर ने प्रिंसिपल पद पर नियुक्त किया है जोकि कुमावत समाज के लिए शुभ संकेत है । डॉ पवन कुमार बासनीवाल का जन्म जयपुर जिले की जोबनेर नगरपालिका के पास छोटी सी ढाणी 'खारिया' में 1977 को हुआ था। इनके पिताजी श्री नानुराम कुमावत जोबनेर में कृषि पर्यवेक्षक के पद से सेवानिवृत्त हैं व माताजी श्रीमती ज्योति कुमावत ग्रहणी है। जोधपुर के लाचू कॉलेज से 2003 में B.Pharma किया, साथ ही उसी वर्ष GATE exam को पास किया। वर्ष 2005 में, राजीव गांधी प्रोध्योगिकी विश्वविद्यालय से M.Pharm. (Pharmaceutical Chemistry) में **सिल्वर मेडल** मिला। 2005 से, डॉ बासनीवाल लाल बहादुर शास्त्री फार्मेसी कॉलेज में कार्यरत थे। **डॉ बासनीवाल के नाम 50 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय पत्रिकाओं में छप चुके है** जो कि कुमावत समाज के लिए गौरव की बात हें। **इनके आठ वीडियो लेक्चर्स भारत सरकार की एक वैबसाइट (www.cec.nic.in) पर है। इनकी दो किताबें (Pharma Exit ß Pharma Mantra)** भी लिखी हुई है जोकि फार्मेसी की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी है।

कोरोना के समय डॉ बासनीवाल ने ऑनलाइन विडियो लेक्चर यूट्यूब पर अपलोड करके न केवल अपनी कॉलेज के बच्चों के लिए बल्कि सम्पूर्ण भारत के बच्चों के लिए एक घर बैठे पढ़ाई करने का माध्यम बने । डॉ बासनीवाल यूट्यूब पर दो चैनल चला रहे है जोकि "Pawan Basniwal" और "Dr Basniwal Lectures"के नाम से है । इन दोनों चैनल पर सभी विडियो फ्री है। ये बड़े हर्ष की बात है कि **यूट्यूब चैनल "Pawan Basniwal" पर एक लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हो चुके है । इस उपलब्धि पर यूट्यूब ने डॉ बासनीवाल को सिल्वर बटन से सम्मानित भी किया है ।** डॉ बासनीवाल का कहना है कि समाज के युवा आगे आयें और अपने हुनर को तराश कर अपना और अपने समाज का नाम रोशन करें ।

प्रिंसिपल नियुक्त होने पर 'कुमावत इंडिया' की ओर से डॉ. पवन बासनीवाल को बधाई एवं शुभकामना।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति, जयपुर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति (रजि.) के तत्वाधान में जयपुर के जिलाध्यक्ष पंकज सिरोहिया के पुत्र मनविक सिरोहिया के जन्मदिवस के अवसर पर आर.के. पीजी कॉलेज, कालवाड़ रोड़, जयपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान तुलसी ब्लड बैंक, जयपुर से आये अंशुल कुमावत व उनकी टीम के निर्देशन में आयोजित हुआ। शिविर का शुभारंभ राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति के प्रदेशाध्यक्ष नवरतन कुमावत व मुख्य अतिथि चेतन कुमावत फांउडर टीम चेतन धुंधारिया ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष नवरतन कुमावत ने कहा कि एक बार रक्तदान करने से आप तीन लोगों का जीवन बचा सकते हैं। रक्तदान करने से शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा स्वस्थ होती है। रक्तदान शरीर से अतिरिक्त आयरन निकालने का बेहतरीन तरीका है। टीम चेतन धुंधरिया के संस्थापक चेतन कुमावत ने कहा कि रक्त कृत्रिम रूप से बनाया नहीं जा सकता है। यह इंसान के शरीर में स्वयं बनता है। इसकी आपूर्ति का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान शरीर मे मौजूद रक्त को पुनर्जीवित करने में सक्षम होता है। भाजपा अध्यक्ष वार्ड 141 व 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सह-सम्पादक जयसिंह गुडीवाल ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर मे नई ऊर्जा का संचार होता है। शरीर में नया खून और नई सेल्स बनते हैं और हमारी त्वचा साफ व सुंदर बनती है। संजीव कुमावत जिला प्रभारी ने कहा कि आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी की जिंदगी बचा सकता है इसलिए रक्तदान अवश्य करना चाहिए। खेल मंत्री पवन कुमावत ने कहा कि रक्तदान महा दान है, इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है।

जिलाध्यक्ष पंकज सिरोहिया ने सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद दिया। सिरोहिया ने बताया कि रक्तदान शिविर में 39 लोगों ने रक्तदान किया। जिसके बाद संस्था के पदाधिकारियों ने समस्त रक्तदाताओं को हेलमेट, प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान सुरेन्द्र कुमावत उपाध्यक्ष, शंकरलाल भूरोदिया संगठन मंत्री, महेश बडीवाल सचिव, पवन कुमावत खेल मंत्री, सौरव कुमावत इकाई अध्यक्ष, राकेश कुमावत एडवोकेट वरिष्ठ विधि सलाहकार, प्रमोद कुमावत, अभिषेक कुमावत आईटी संयोजक, राजेन्द्र कुमावत सह संगठन मंत्री जगदीश कुमावत कार्यकारिणी सदस्य, खेमचंद खडगटा, स्वामिनी सेवा संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत, सहायक मंत्री महेन्द्र कुमावत मौजूद रहे।

4 मार्च को भन्दे के बालाजी में 31 जोड़ों का विवाह

फुलेरा दोज 4 मार्च, 2022 को कुमावत समाज सामुहिक विवाह एवं विकास समिति भन्दे के बालाजी उगरियावास, जयपुर द्वारा समिति भवन, भन्दे के बालाजी में 31 जोड़ों का 18वां विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस समारोह के अध्यक्ष श्री पन्नालाल जी सिरस्वा तथा मुख्य अतिथि श्री बाबूलाल जी सिरोहिया (गुढ़ा बैरसल वाले), अति विशिष्ट अतिथि श्री निर्मल कुमावत विधायक फुलेरा तथा श्री बाबूलाल नागर विधायक दूदू एवं विशिष्ट अतिथि एनआरआई दुबई श्री हनुमान सहाय किरोड़ीवाल, श्री यादराम जी सिरस्वा, श्री रामगोपाल जी बासनीवाल तथा श्री सीताराम बड़ीवाल सरपंच उगरियावास को आमंत्रित किया गया था। समिति द्वारा समाज की विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष/मंत्री, को भी आमंत्रित कर उनका सम्मान एवं स्वागत किया। सामुहिक विवाह सम्मेलन में नाश्ते एवं भोजन की व्यवस्था श्री बाबूलाल सिरोहिया गुढ़ा बैरसल के AA Class Government Contractor द्वारा की गई। पधारे हुए अतिथियों के समक्ष वर-वधुओं द्वारा वरमाला का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों की तादाद में समाजजन उपस्थित थे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए अच्छा कदम है। इससे अनावश्यक आर्थिक खर्च से बचा जा सकता है। समिति द्वारा ऐसे आयोजन करके समाज सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है जिसके लिए समिति साधुवाद की पात्र है।

टोंक में नि:शुल्क सामुहिक विवाह एवं प्रतिभा सम्मान

3 मई, 2022 को आखातीज के अवसर पर ग्राम सुभागपुरा तहसील उनियारा, जिला टोंक में श्री कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, लोकसभा क्षेत्र टोंक के तत्वावधान में 21 जोड़ों का प्रथम नि:शुल्क सामुहिक विवाह एवं पंचम प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। विवाह हेतु पंजीयन 15 अप्रेल, 2022 तक किया जायेगा। समिति अध्यक्ष कमलेश जूनवाल ने कहा है कि आजकल विवाह पर अत्यधिक खर्च हो रहा है इससे परिवार में तनाव रहता है, इसका एकमात्र उपाय सामुहिक विवाह है। क्योंकि समाज के भामाशाहों के सहयोग से सामुहिक विवाह सम्पन्न होते हैं। इसी कड़ी में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन पाँचवीं बार हो रहा है। इसमें वर्ष 2020 के बाद राजकीय सेवाओं में चयनित समाजबन्धुओं, वर्ष 2020-21 में 80 प्रतिशत या अधिक अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों तथा विशिष्ठ भामाशाहों का सम्मान किया जाएगा। इसके लिए अधिक से अधिक योगदान देने की अपील की गई है। सम्पर्क सूत्र कमलेश जूनवाल 9413108270

खेड़ा बालाजी में सामूहिक विवाह 10 मई को

श्री कुमावत क्षत्रिय समाज शैक्षिक विकास समिति द्वारा आयोजित 9वां श्री कुमावत क्षत्रिय समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन, 10 मई 2022 को होगा। इस बारे में कार्यकारणी की साधारण सभा की बैठक खेड़ा बालाजी धर्मशाला, माधोराजपुरा, फागी में 13 मार्च 2022 को श्री श्रवण चौरासिया, ग्राम चांदसिन, मालपुरा की अध्यक्षता में हुई। इसमें 16 जोड़ों का रजिस्ट्रेशन किया गया। कुछ समाज के भामाशाहों द्वारा विवाह सम्मेलन हेतु सहयोग किया गया।

कार्यकारणी की आगामी बैठक 31 मार्च 2022 की रखी गई है जिसमें सभी समाज बंधु से ज्यादा ज्यादा संख्या में आकर कन्यादान का पुण्य कमाने के लिए समिति सहयोग करने का आग्रह किया गया हैं। विवाह हेतु पंजीयन शुल्क वर एवं वधु प्रत्येक से रू 21,000 लिया जा रहा है, पंजियन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2022 रखी गई हैं। वर वधु को उपहार व आभूषण समिति द्वारा पूर्व की भांति दिए जाएंगे। **-अध्यक्ष डा. जय नारायण जूनवाल**

3 मई को चित्तौड़ में सामूहिक विवाह

श्री कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में अक्षय तृतीया 3 मई, 2022 को तुलसी एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत संस्था के पदाधिकारी व वरिष्ठ गणमान्य लोगों द्वारा चित्तौड़गढ़ एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में गाँव-गाँव जाकर समाज के लोगों से सम्पर्क कर रहे हैं तथा समाजजनों द्वारा भी इसमें खुले दिल से सहायता राशि का योगदान किया जा रहा है जो प्रशंसनीय है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह हेतु वर-वधू प्रत्येक से 21,000 रुपए शुल्क लिया जाना तय किया गया है। समिति द्वारा वर-वधू को निर्धारित गिफ्ट, आभूषण आदि भी दिया जाना बताया गया है। इस सम्बन्ध में अधिकृत एवं अधिक जानकारी के लिए समिति के स्थाई कार्यालय दुकान नं. 10 भामाशाह कॉम्पलेक्स, किला रोड, चित्तौड़गढ़ मो. 9636562703, 9414734618 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

10 अप्रेल, 2022 को बगरू में सामुहिक विवाह

क्षत्रिय कुमावत समाज सेवा, समिति, बगरू की बैठक रामस्वरूप कारगवाल की अध्यक्षता में हुई, जिसमें समाज के गणमान्य लोग सम्मिलित हुए। बैठक में दिनांक 10.04.2022 को सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस अवसर पर 7 जोडों के विवाह के लिये दस्तावेज भी प्राप्त हुए।

3 मई को ब्यावर में सामुहिक विवाह

श्री कुमावत पंचायत सभा ब्यावर तथा नवयुवक मण्डल एवं महिला मण्डल ब्यावर के तत्वावधान में 3 मई, 2022, आखातीज को ब्यावर में सामुहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। सामुहिक विवाह समिति के अध्यक्ष विष्णु प्रसाद जायलवाल, महामंत्री नन्द किशोर जलान्धरा तथा कोषाध्यक्ष नरेन्द्र आर्य हैं।

रामनवमी

रामनवमी एक बसंत त्योहार है इस दिन हम राम भगवान के जन्मदिन को मनाते है। यह वसंत नवरात्रि का हिस्सा है, और पारंपरिक हिंदू कैलेंडर में चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष के नौवें दिन आता है।

इस दिन वैष्णव मंदिर जाते हैं, अपने घर में प्रार्थना करते हैं और कुछ लोग पूजा और आरती,भजन तथा कीर्तन में भाग लेते हैं। विभिन्न समुदाय धर्मार्थ कार्यक्रमों और स्वयंसेवी भोजन का आयोजन करता है। यह त्योहार कई हिंदुओं के लिए नैतिक चिंतन का अवसर है। इस दिन महत्वपूर्ण समारोह अयोध्या, सीतामढ़ी, 126, जनकपुरधाम (नेपाल), भद्राचलम, कोडंदरामा मंदिर, वोंटीमिट्टा और रामेश्वरम में होते हैं। राम, सीता, उनके भाई लक्ष्मण और हनुमान की शोभा यात्रा निकाली जाती हैं। कुछ लोग अयोध्या में पवित्र सरयू नदी में स्नान करते है तथा फिर राम मंदिर जाते हैं।

राम नवमी का दिन कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में मनाए जाने वाले नौ दिवसीय वसंत उत्सव के अंत का भी प्रतीक है, जिसे वसंतोत्सवम कहा जाता है, जो उगादी से शुरू होता है।

त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों को समाप्त करने तथा धर्म की पुन: स्थापना के लिये भगवान विष्णु ने मृत्यु लोक में श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। श्रीराम चन्द्रजी का जन्म चैत्र शुक्ल की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में रानी कौशल्या की कोख से, राजा दशरथ के घर में हुआ। राम, सबसे व्यापक रूप से पूजे जाने वाले हिंदू देवताओं में से एक, शिष्टता और सदाचार के अवतार है।

प्राचीन महाकाव्य रामायण के बालकाण्ड में कहा गया है कि राम और उनके भाइयों का जन्म अयोध्या में दशरथ से हुआ था, जो सरयू नदी के तट पर एक शहर है। **रामायण के जैन संस्करण, जैसे विमलासुरी द्वारा पौमकारिया** राम के प्रारंभिक जीवन के विवरण का भी उल्लेख करते हैं।

पुराणों में श्रीराम के जन्म के बारे में स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं कि श्रीराम का जन्म वर्तमान उत्तर प्रदेश का जिला अयोध्या नामक नगर में हुआ था। अयोध्या, जो कि भगवान राम के पूर्वजों की ही राजधानी थी, रामचन्द्र के पूर्वज रघु थे।

रामायण के बालकाण्ड के अनुसार राम के तीन भाई थे-भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न। राम को एक विनम्र, आत्म-नियंत्रित, सदाचारी युवा के रूप में चित्रित किया गया है जो हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहते हैं। उनकी शिक्षा में वेद, वेदांग और साथ ही मार्शल आर्ट शामिल थे। राम के बड़े होने का वर्णन बाद के हिंदू ग्रंथों, जैसे- तुलसीदास द्वारा रामावली द्वारा बहुत अधिक विस्तार से किया गया है।

तुलसीदास के प्रसिद्ध हिंदी संस्करण, रामचरितमानस और कम्पन द्वारा तमिल रामायण के साथ-साथ असंख्य मौखिक रूपों में संस्कृत महाकाव्यों की पुनर्कथन से राम की लोकप्रियता बहुत बढ़ गई थी।

एक राम दशरथ का बेटा, एक राम घट घट में बैठा,
एक राम का सकल उजियारा, एक राम जगत से न्यारा।

कबीर साहब जी कहते हैं, असली धनी वह नहीं जिसके पास अधिक धन, संपत्ति सब है जबकि असली धनी तो वह है जिसके पास जाप करने के लिए असली राम का नाम है। असली राम (आदि राम), अनश्वर, अविनाशी परमात्मा है जो सब का पालनहार पिता है।

श्रीराम की प्रतिष्ठा मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में है। श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहाँ तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। राम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा **रघुकुल रीति सदा चलि आई प्राण जाई पर बचन न जाई,** की थी।

कैकयी ने दासी मन्थरा के बहकावे में आकर दो वरों के रूप में राजा दशरथ से अपने पुत्र भरत के लिए अयोध्या का राजसिंहासन और राम के लिए चौदह वर्ष का वनवास मांगा। पिता के वचन की रक्षा के लिए राम ने खुशी से इसे स्वीकार किया। पत्नी सीता ने आदर्श पत्नी का उदाहरण देते हुए पति के साथ वन (वनवास) जाना उचित समझा। भाई लक्ष्मण ने भी राम के साथ चौदह वर्ष वन में बिताए।

भरत ने न्याय के लिए माता का आदेश ठुकराया और बड़े भाई राम के पास वन में जाकर लौटने को मनाने की चेष्टा की। जब राम ने इसे नहीं माना तो उनकी चरणपादुका (खड़ाऊँ) ले आए तथा इसे राज गद्दी पर रखकर राम का प्रतिनिधि मानकर राजकाज किया। जब राम वनवासी थे तभी उनकी पत्नी सीता को रावण हरण (चुरा) कर ले गया। जंगल में राम को हनुमान जैसा मित्र और भक्त मिला जिसने राम के सारे कार्य पूरे कराये। राम ने हनुमान, सुग्रीव आदि वानर जाति के महापुरुषों की सहायता से सीता को ढूंढा।

लंका जाने के लिये राम सेतु का निर्माण वानर सेना द्वारा किया गया था, जो तमिलनाडु में रामेश्वरम से शुरू होकर श्रीलंका में मन्नार तक था। इस पुल के मुख्य शिल्पकार नल और नील थे। इस सेतु की लंबाई करीब 30 किमी थी और इसे 6 दिन में बनाया गया था। इस रामसेतू से राम की वानर सेना लंका पहुँची तथा रावण के साथ युद्ध किया। रावण को मारकर, सीता जी को वापस लेकर आये। राम के अयोध्या लौटने पर भरत ने राज्य उनको ही सौंप दिया। राम न्यायप्रिय थे, राम ने ग्यारह हजार वर्षों तक अयोध्या राज्य पर शासन किया। इस सुनहरे काल को लोग आज भी रामराज्य के रूप में जानते है। ऐसा माना जाता है कि जब सीता ने पृथ्वी में लीन होकर अपना शरीर त्याग दिया, तो राम ने सरयू नदी में जल समाधि लेकर पृथ्वी का परित्याग कर दिया। इसके बाद इनके दो पुत्रों कुश व लव ने इनके राज्य को संभाला।

विश्व के कई देशों में भी श्रीराम आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं जैसे थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया,कम्बोडिया, जावा आदि। इन्हें पुरुषोत्तम शब्द से भी अलंकृत किया जाता है।

कंबोडिया के अंगकोर वाट में मिली पत्थर पर उत्कीर्ण कलात्मक राहत से विदेशों में राम के अस्तित्व का पता चलता है।

अजमेर की सोनी नसियां में अयोध्या की प्रतिकृति उपलब्ध है।

जयसिंह गुडीवाल सह सम्पादक की विशेष रिपोर्ट

कुमावत इंडिया पत्रिका के साथ

जायका जयपुर का...

एल.एम.बी. : जहां मिलता है वर्ल्ड क्लास घेवर

घेवर राजस्थान की पारंपरिक मिठाई है। यूं तो इसे पारंपरिक रूप से गणगौर और तीज के त्योहार पर बनाया जाता है, लेकिन इसके चाहने वाले हर मौसम में इसे खाना पसंद करते हैं।

यह डिस्क के आकार का होता है, जिसे देशी घी, आटे और चीनी की चाशनी से बनाया जाता है। जयपुर के बाहर भी यह ख़ासा प्रसिद्ध है। राजस्थानी थाली में सितारे की तरह अलग चमकता दिखाई देता है घेवर।

घेवर की कई किस्में हैं, जिनमें सादा, मावा और मलाई घेवर सबसे ज़्यादा पसंद किए जाते हैं। बात जयपुरवासियों की हो तो वो इसके बिना रह ही नहीं सकते। जयपुर की पसंदीदा मिठाईयों में से एक है घेवर। चलिए, इसी बात पर आपको जयपुर में बेस्ट घेवर कहा मिलता है इसके बारे में भी बता देते हैं। ताकि आपकी घेवर खाने की चाह अधूरी न रह जाए।

जयपुर के जौहरी बाज़ार में स्थित 'लक्ष्मी मिष्ठान भंडार' जहां आपको मिलता है वर्ल्ड क्लास पनीर घेवर। एल.एम.बी. की स्थापना 1954 में हुई थी। 1727 में, जब महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय (हवा महल निर्माता), आमेर के शासक, ने जब जयपुर को नई राजधानी के रूप में स्थापित किया, तब उन्होंने पास के शहरों से व्यापारियों और कलाकारों के नव निर्मित शहर के लिए आमंत्रित किया। जो लोग आये उन लोगों के बीच हलवाइयों का भी एक समूह आया, जिन्होंने जौहरी बाजार में एक छोटे मिठाई की दुकान स्थापित की।

काफी बरस बीत जाने के बाद 1949-50 में इन हलवाई के वंशजों में से एक मालीराम घोड़ावत ने इस मिठाई की दुकान की ब्रांडिंग लक्ष्मी मिष्ठान भंडार (एल.एम.बी) के रूप में की। लक्ष्मी मिष्ठान भंडार (एल.एम.बी.) अपने रेस्तरां एवं मिठाई के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इस रेस्तरां में शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा जाता हैं। इतने बरसों के बीत जाने के बाद भी इसने अपना स्वाद पहले जैसा ही कायम रखा हैं। यह अपने आगंतुको के लिए असाधारण स्वाद प्रस्तुत करता है। यहाँ पर बिना प्याज़ लहसुन के भी खाने की व्यवस्था है। जयपुर आने वाला शायद ही कोई विदेशी पर्यटक होगा जिसने अपने कदम यहाँ पर नहीं रखे हो।

इस शॉप का घेवर जयपुरवासियों के साथ विदेशियों के बीच भी काफी प्रसिद्ध है। लक्ष्मी मिष्ठान भंडार की सबसे बड़ी खासियत इसका अनूठा स्वाद है जो आपको और कही नहीं मिलेगा। यहां का पनीर घेवर बहुत स्वादिष्ट होता है आप भी इसका जायका लेना ना भूलें।

प्रभूलाल कुमावत DSP का अभिनन्दन

पुलिस उपअधीक्षक मांडल श्री प्रभुलाल कुमावत का राजसमन्द जिले के बामणिया कलां गांव में कुमावत समाज द्वारा सम्मान कर अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर गुजरात कुमावत समाज प्रदेशाध्यक्ष शंकर लाल मेरावण्डिया, महासभा के राष्ट्रीय प्रतिनिधि राजसमन्द के गिर्राज खनाड़िया, मनोनीत पार्षद सत्यनारायण कुमावत, कुमावत समाज बामणिया चौकी अध्यक्ष कालूराम सिरौठा, पूर्व सरपंच प्रेमराज मेरावण्डिया आदि गणमान्य लोगों के साथ अत्यधिक संख्या में समाजबन्धु उपस्थित थे।

संत मुरली मनोहर अकिंचन द्वारा श्रीमद्भागवत कथा-देवस्थान विभाग, राजस्थान द्वारा कथा आयोजन

राजस्थान के देवस्थान विभाग की ओर से आयोजित सात दिवसीय 'श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ' का आयोजन बलदेव मंदिर, परशुराम द्वारा, आमेर रोड जयपुर पर किया गया। कलश यात्रा में देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत ने कलश यात्रा की अगवानी की जिसमें 1100 महिलाएं गाजे बाजे के साथ मंगल गान गाते पारम्परिक वेशभूषा में राधा निवास मंदिर आमेर रोड से कथा स्थल पहुँची। इसमें जलदाय मंत्री महेश जोशी तथा पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल भी थी। जिन्होंने भागवत जी व वेदव्यास जी का पूजन किया।

मंत्री शकुन्तला रातव ने कहा कि जयपुर देवों की भूमि है, उन्होंने राज्य में सुख-शांति एवं प्रेमभाव की कामना की। व्यास पीठ से श्रीमद्भागवत कथा का वाचन **संत मुरली मनोहर 'अकिंचन'** द्वारा किया गया। उनकी मधुर वाणी को सुनने जयपुरवासी उमड़ पड़े। देवस्थान विभाग द्वारा श्रीभागवत कथा आयोजन करना नवीन पहल है।

रिमझिम वर्मा का एयरहोस्टेज के लिए चयन

इण्डिगो एयरलाइन्स कैबिन क्रू (Inflight Services) अर्थात एयरहोस्टेज के लिए रिमझिम वर्मा पुत्री श्रीमती रिना-विनोद खण्डारिया (सुपौत्री स्व. श्री रामलाल खण्डारिया) निवासी पटेल कॉलोनी, सी-स्कीम, जयपुर का चयन हुआ है। शायद इस क्षेत्र में चयनित कुमावत समाज की रिमझिम पहली युवती है।

रिमझिम वर्मा को इस चयन पर 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

गौर-गौर गणपति ईसर पूजे, पार्वती .....

राजस्थान सिर्फ ऐतिहासिक किलों, समृद्ध इतिहास और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए ही नहीं पहचाना जाता बल्कि यहाँ के पर्व भी लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। भारत ही नहीं, विश्व के पर्यटन मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले राजस्थान में आयोजित होने वाले मेले एवं उत्सव इसे और विशिष्ट रूप प्रदान करते हैं। भारतवर्ष में अनेकों धर्म के लोग रहते हैं, सभी धर्मों के लोग यहाँ हर वर्ष अनेक प्रकार के त्योहार बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। ऐसे ही कई त्योहारों में से एक है गणगौर। हिन्दी कैलेण्डर के अनुसार गणगौर का पूजन चैत्र पक्ष की तृतीया को शुरू होता है। पुराणों के अनुसार गणगौर पूजन का आरम्भ पौराणिक काल से ही चलता आ रहा है, उसी समय से इस पर्व को प्रत्येक वर्ष बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है। वैसे तो यह त्योहार पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है, लेकिन राजस्थान के लोगों के लिए यह त्योहार अहम होता है, यहाँ से लोग इसे बड़ी धूमधाम से मानते है।

गणगौर पूजा, प्रेम एवं पारिवारिक सौहार्द का पावन पर्व माना जाता है। गणगौर का संधि विच्छेद गण+गौर। 'गण' शब्द का अर्थ भगवान शिव से है। अर्थात गण शब्द भगवान शंकर जी के लिए प्रयोग किया जाता है। 'गौर' शब्द का अर्थ माता पार्वती से है। राजस्थान में इस त्यौहार की काफी मान्यता है। राजस्थान में गणगौर पूजा को आस्था के साथ मनाया जाता है। महिलाएँ इस दिन भगवान शंकर जी और पार्वती जी का पूजन करते हैं। राजस्थानी लोगों की यह मान्यता है कि भगवान शंकर और माता पार्वती से संबंध में इस गणगौर पूजा को मनाया जाता है। यही कारण है कि गणगौर पूजा की हिंदू धर्म के लोगों में एक अलग मान्यता है।

राजस्थान में इस त्योहार को गणगौर पूजन के नाम से जाना जाता है। गणगौर पूजन को भारत के अन्य राज्यों में तीज के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। भारतीय मान्यताओं के अनुसार तीज का त्योहार केवल पतिव्रता स्त्री मनाती है। भारत के अन्य राज्यों में तो यह त्योहार केवल एक दिन के लिए मनाया जाता है, राजस्थान में इस त्योहार को महिलाएं सामूहिक रूप से सौलह दिनों तक मनाती है तथा माता पार्वती की पूजा करती है।

शेष पृष्ठ 23 पर ...

हिन्दू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

टीम चेतन धुंधारिया

के स्थापना दिवस

(13 अप्रैल)

की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

SPARSH HOME APPLIANCES

(Touch of Smart Life)

■ सीसी टीवी कैमरा रिपेयर मेंटिनेन्स ■ राजस्थान के सभी क्षेत्रों में सेवाएं उपलब्ध हैं। ■ सीसी टीवी कैमरा लगवाएं, घटना व कारणों की जानकारी अपने मोबाइल पर देखें। ■ आरओ रिपेयर सेल्स सर्विस ■ एक्वागार्ड, कैन्ट, लीव प्योर आदि की घर बैठे सुविधा उपलब्ध

शंकर लाल कुमावत (भुरोदिया)

■ जिला मंत्री जयपुर-राजथान क्षत्रिय युवा शक्ति समिति (रजि.)
■ सह सचिव कुमावत प्रजापत समाज संगठन समिति, रायपुर, छत्तीसगढ़
■ SE Tech Engineer CP Plus
■ Water Trade Assocation of Rajasthan

Vikas Nagar, 200 Ft. Bypass, Near Dev Narayan Temple, Kalwar Road, Jhotwara, Jaipur (Raj.) -302012
9406027779, 7976239718, 9549999548

हिन्दू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

(13 अप्रैल)

टीम चेतन धुंधारिया

के स्थापना दिवस

की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

हेमचन्द खड़गटा
अध्यक्ष

चेतन कुमावत (धुंधारिया)
उपाध्यक्ष

कस्तूरमल कुमावत
सचिव

लालचन्द धुंधारिया
कोषाध्यक्ष

ट्रस्टी : रेखा सिंह बैयाड़िया, निकिता राजोरिया, सतीश खड़गटा, शैलेन्द्र खड़गटा, मोहित धुंधारिया

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

स्थापना दिवस विशेष 13 अप्रैल

मुश्किलों को मात देकर मिसाल बनी टीम चेतन धुंधारिया

चेतन धुंधारिया

एक बहुत ही सकारात्मक विचार **'सर्वे भवन्तु सुखिनः'** के साथ सन् 2019 में जब संपूर्ण मानव जाति कोरोना महामारी से जूझ रही थी। तब एक टीम की स्थापना हुई और इसके संस्थापक श्री चेतन धुंधारिया जो आज न केवल कुमावत समाज अपितु संपूर्ण राजस्थान में अपनी विशिष्ठ छवि बना चुके हैं। अपने कुशल नेतृत्व द्वारा इसके सभी सदस्यों के साथ समाज में नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। सामान्यत: देखने में आता है कि अधिकांश गैर सरकारी संगठन/स्वयंसेवी संस्थाओं का कार्यक्षेत्र महानगरों/शहरों तक ही सीमित रहता है। सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से अनभिज्ञ उपेक्षित गाँव अक्सर स्वयंसेवी संस्थाओं की गतिविधियों से वंचित रहते हैं। ऐसे में पहली बार टीम चेतन धुंधारिया ने लीक से हटकर अपने जनसरोकारी कार्यों के लिए गाँवों तक उपस्थिति दर्ज की है।

टीम द्वारा कोरोना काल में राशन सामग्री, मास्क, भोजन के पैकेट, सैनेटाइजर व दवाईयां वितरित की गई साथ ही जयपुर के पुलिस थानों, पुलिस बैरिकेट्स, गुमटियां, एटीएम, चौराहे व सार्वजनिक स्थान आदि को सैनेटाइज करवाया गया। जिसका जिम्मा टीम के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल को दिया गया। धीरे-धीरे न केवल इंसान अपितु निरीह जानवरों का पेट भरण भी इन्होंने शुरू किया। दूर दराज के क्षेत्रों में जाकर राशन व खाद्य सामग्री स्वयं टीम के साथ जाकर वितरित की यह वह समय था जब कोई घर से बाहर नहीं निकल सकता था। ऐसे समय टीम का गठन कर अपने कुशल नेतृत्व का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

इसके साथ ही धीरे-धीरे इस टीम ने शिक्षा के क्षेत्र में भी पर्दापण किया व सरकारी विद्यालयों की कायापलट का बीड़ा उठाया और बालिका शिक्षा से जुड़ गये। समाज को एकजुट करने का प्रयास भी इस टीम के द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के रूप में देखा गया है। इतना ही नहीं टीम द्वारा त्योहारों के अवसरों पर अनेक माध्यमों से लोगों को जागृत करने मुहिम लोगों के दिलों में अलग ही पहचान बनाती है। वो चाहे मकर संक्रान्ति पर पतंगों के माध्यम से कोरोना जागृति का संदेश हो, चाहे होली पर गुलाल, गुलाल गोटे वितरण के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश हो, चाहे दीवाली पर स्वदेशी अपनाने का संदेश हो। उक्त सभी कार्य टीम की भावना एवं सोच को दर्शाती है।

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील यह टीम राष्ट्रीय पर्वो पर या तीज त्यौहारो पर नई नई सोशल गतिविधियों द्वारा स्वस्थ पर्यावरण रखने के संदेश प्रसारित करती रहती है। टीम चेतन धुंधारिया वही टीम है जिसने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे भारतवर्ष के कुमावत समाज को योग प्रतियोगिता के माध्यम से सोशल मीडिया पर जोड़ा था। यही टीम अब धीरे-धीरे राजनीतिक मंच पर भी कुमावत समाज के प्रतिनिधि के रूप में अपना मंच साझा कर रही है।

टीम चेतन धुंधारिया की विशेषता है कि वह अपने आलोचको द्वारा की गई आलोचना को हृदय से स्वीकार करते हुए दुगुने उत्साह से रचनात्मक कार्य करते हुए सामाजिक कार्य करती है। यही कारण है कि टीम चेतन धुंधारिया नित नये आयाम स्थापित कर रही है। टीम द्वारा अपनी आलोचना को ही अपना संबल बना लिया जो टीम को अन्य टीमों से अलग स्थान प्रदान करती है।

हालांकि इस टीम के संरचनात्मक ढांचे में किसी सदस्य के लिए कोई पद आरक्षित नहीं है किन्तु इस संस्था की सफलता के पीछे सभी सदस्यों का अभूतपूर्व योगदान है। टीम चेतन धुंधारिया के स्थापना दिवस पर इसके सामाजिक व राजनैतिक विकास व योगदान के लिए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ। इन्हीं पंक्तियों के साथ-

अकेला राह पर चलदे तुझे तेरा मुकाम मिल जाएगा,
तू पहल तो कर कारवाँ खुद का खुद बन जाएगा।

-भारती तोंदवाल, सचिव, कुमावत इंडिया पत्रिका

डूंगरराम गैदर का हस्तशिल्प आर्टीजन्स द्वारा भव्य सम्मान

24 फरवरी 2022 को सीएमटी आर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हस्तशिल्प कला गुरु व शिल्प कला कारीगरों के द्वारा माननीय श्री डूंगरराम गेदर को शिल्प एवं माटीकला बोर्ड के उपाध्यक्ष बनाये जाने पर उनका सम्मान किया गया। समाजसेवी व कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक सी एम बड़ीवाल ने शिल्पगुरु व आर्टिस्ट्स के साथ कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों का माल्यार्पण कर, साफा बंधवाकर व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जयपुर शहर व ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों शिल्पकला एवं हस्तकला आर्टिस्ट्स उपस्थित थे। साथ ही सर्वश्री आर डी वर्मा शिक्षाविद, सुरेंद्र लांबा, (पूर्व प्रवक्ता पीसीसी), डॉ.नाथूलाल वर्मा (वरिष्ठ चित्रकार), महेंद्र चंदवा दुबई, सी पी कुमावत कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी जयपुर, गणेश कुमावत (सरपंच दहमी कलां, बगरू) इत्यादि पधारे थे। सी एम बड़ीवाल ने श्री डूंगरराम गैदर को कोविड-19 के कारण हस्तशिल्प कला से जुड़े लोगों के सामने उत्पन्न चुनौतियों एवं व रोजगार पर संकट के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कारीगरों द्वारा तैयार उत्पाद को बेचने के लिए सरकार की मदद से एक प्लेटफार्म बनाने का आग्रह किया जिससे उनके अटके हुए आर्टिकल्स बिक सके तथा इनके लिए सरकार से कारीगरों को मदद दिलाने का निवेदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री डूंगरराम गेदर ने समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और राजस्थान सरकार व बोर्ड के माध्यम से हर संभव मदद का विश्वास दिया। शिल्पकला धीरे-धीरे लुप्त हो रही है सिर्फ आर्टिस्ट ही इस विरासत को सुरक्षित रखे है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुरष्कार से सम्मानित अमृत सिरोहिया, जीवराज कुमावत, ओम प्रकाश निरानियां झोटवाड़ा, ओंकार मल कुमावत चौंमू, कैलाश राज, रामरतन कुमावत, शंकरलाल, चैनसुख कुमावत, गर्ग, नवरत्न सैनी इत्यादि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने सीएमटी आर्ट गैलरी का भी अवलोकन किया।

संरक्षक

श्री राजीव आसलीवाल (BA, LLB)

पुत्र श्री प्यारे लाल वर्मा,
निवासी मकान नं. 7, गांधी नगर मोड़, ओझा जी का बाग,
टोंक रोड़, जयपुर। मो. 9001006688

श्री राजीव आसलीवाल राजकीय सेवा में वर्ष 2001 से हैं तथा वर्तमान में ये विधि एवं विधिक कार्य विभाग, एडमिनिस्ट्रेटर जनरल आफिशियल ट्रस्टी, मिनी सचिवालय, जयपुर में पदस्थापित है। इन्हें राजकीय सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने 26 जनवरी, 2015 को सम्मानित किया था। इनके पिता श्री प्यारे लाल वर्मा टेलीफोन विभाग में गजेटेड पद से वर्ष 2004 में सेवानिवृत्त हुए हैं तथा माता श्रीमती किरण वर्मा, राजनीति और समाज सेवा में सक्रिय हैं।

ये समाज के जरुरतमंद लोगों के लिए सदैव तैयार रहते हैं, इंदिरा रसोई में हर माह दो दिन भोजन की व्यवस्था करते है। ये खेल और फिटनेस से संबधित '**टीम आगाज़ फिटनेस आर्गेनाइजेशन**', जयपुर के संरक्षक हैं, जिसके अन्तर्गत वर्ष 2021 में राजकीय विभागों की 12 टीमों का टूर्नामेंट आयोजित करा चुके हैं। आपके बड़े भाई श्री रवि आसलीवाल चिकित्सा विभाग, जेकेलोन अस्पताल में सेवारत हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार इनके उज्वल भविष्य की कामना करता है।

विश्व जल दिवस : आओ बचाएं जल

''जल ही जीवन है।'' जल संरक्षण (Water Conservation) के मिशन को लेकर बरसों पहले राजस्थान के राजा महाराजाओं ने अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्य करवाये थे। राजा महाराजाओं के बनवाये हुए तालाब और बांध (Pond and Dam) आज भी जल संरक्षण की बेहतरीन मिसाल हैं। एक समय था जब भारत की गोद में हज़ारों नदियां बहती थी, लेकिन अब अधिकतर विलुप्त हो गई हैं या उनका जलस्तर घट चुका है। नदियों और उनके भीतर रहने वाले जीवों की दुर्दशा का कारण मनुष्य ही है। मानवीय इच्छाओं और दोहन की वजह से भू-जल स्तर खत्म होने की कगार पर है।

''जल ही जीवन है।'' जल के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। हम सभी जानते हैं हमारे लिए जल कितना महत्वपूर्ण है। लेकिन यह सब बातें हम तब भूल जाते हैं जब अपनी टंकी के सामने मुंह धोते हुए पानी को बर्बाद करते रहते हैं और तब कई लीटर मूल्यवान पानी अपनी कीमती कार को नहलाने में बर्बाद कर देते हैं। किताबी दुनिया और किताबी ज्ञान को हममें से बहुत कम ही असल जिंदगी में उतार पाते हैं और इसी का नतीजा है कि आज भारत और विश्व के सामने पीने के पानी की समस्या मुँह बायें खड़ी है।

धरातल पर तीन चौथाई पानी होने के बाद भी पीने योग्य पानी एक सीमित मात्रा में है। नदी, तालाबों और झरनों को पहले ही हम केमिकल की भेंट चढ़ा चुके हैं, जो बचा खुचा है उसे अपनी अमानत समझकर अंधाधुंध खर्च कर रहे हैं। आज लोग सिर्फ एक उसूल पर काम करते है **'अपना काम बनता, भाड़ में जाये जनता'**। लोगों को पानी खर्च करने में कोई हर्ज भी नहीं होता क्योंकि अगर घर के नल में पानी नहीं आता तो वह पानी का टैंकर मंगवा लेते हैं। सीधी सी बात है पानी की कीमत को आज भी मनुष्य नहीं समझ पाया है क्यूंकि सबको लगता है आज अगर यह नहीं है तो कल तो मिल ही जाएगा।

दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में जहां पानी की किल्लत तो है पर फिर भी वहाँ पानी की समस्या विकराल रुप में नहीं है। यहां पानी के लिए जिंदगी दांव पर नहीं लगती पर देश के कुछ ऐसे राज्य भी हैं जहां आज भी जिंदगियाँ पानी की वजह से दम तोड़ती नजर आती हैं। राजस्थान, जैसलमेर और अन्य रेगिस्तानी इलाकों में पानी आदमी की जान से भी ज्यादा कीमती है। पीने का पानी इन इलाकों में बड़ी कठिनाई से मिलता है। कई-कई किलोमीटर चलकर इन क्षेत्रों की महिलाएँ पीने का पानी लाती हैं। इनकी जिंदगी का एक अहम समय पानी की जद्दोजहद में ही बीत जाता है।

पानी की इसी जंग को खत्म करने और इसके प्रभाव को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1992 के अधिवेशन में 22 मार्च को **विश्व जल दिवस** के रुप में मनाने का निश्चय किया जिस पर सर्वप्रथम 1993 को पहली बार 22 मार्च के दिन पूरे विश्व में जल दिवस के मौके पर जल के संरक्षण और रखरखाव पर जागरुकता फैलाने का कार्य किया गया।

ऐसा नहीं है कि पानी की समस्या से हम जीत नहीं सकते। यदि सही तरीके से पानी का सरंक्षण किया जाए और जितना हो सके पानी को बर्बाद करने से रोका जाए तो इस समस्या का समाधान बेहद आसान हो सकता है, जरूरत है जागरुकता की। ऐसी जागरुकता की जिसमें छोटे से छोटे बच्चे से लेकर बड़े बुजुर्ग पानी को बचाना अपना धर्म समझें। जल संचयन एंव जल संरक्षण के कार्य को जन आन्दोलन के रूप में एकजुट होकर करें।

आज के इंसान के लिए आर्टिफिशियल लाइफ स्टाइल महत्वपूर्ण होने लगा है, लेकिन कहीं न कहीं हम सभी इस वहम में जी रहे हैं। हम भूल रहे हैं कि प्राकृतिक संसाधन जो कि हमें प्रकृति ने भेट स्वरूप दिए हैं, उन्हें संजोए रखने के लिए हमारी महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। प्राकृतिक संसाधनों का हमारे जीवन में अतुलनीय योगदान है। तो फिर जल जैसे प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण की जिम्मेदारी भी हमें उठानी ही चाहिए। प्रशासन द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जल शक्ति अभियानों के तहत होने वाली गतिविधियों में और तेजी लाकर आम जनता को जागरूक करके इसका आमजन को भागीदार बनाना होगा। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को सबसे पहले स्वयं को जल संरक्षण के लिए संकल्प लेकर इसकी शुरूआत भी अपने घर से करनी होगी तब ही गिरते भूमि जल स्तर में सुधार किया जा सकेगा और तथा आगे आने वाली पीढियों के बेहतर भविष्य के लिए जल संरक्षण किया जा सकेगा।

-रवि कुमार कुमावत, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग

26-27 मार्च 2022 को महासभा अधिवेशन व चुनाव

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) का अधिवेशन एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों का चुनाव 26-27 मार्च 2022 को अहमदाबाद के श्री चारभुजा मंदिर कुबडथल पाटिया कुंजाड़ इंदौर हाईवे, अहमदाबाद में आयोजित किया जायेगा। 26 मार्च को झंडारोहण, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों की संयुक्त मीटिंग एवं अधिवेशन के 2 सत्र तथा 27 मार्च को राष्ट्रीय पदाधिकारियों के चुनाव व शपथ ग्रहण समारोह रखा गया है।

-डॉ. जय नारायण जूनवाल, राष्ट्रीय महामंत्री

विवाह में केवल गुण या संपूर्ण कुंडली मिलान

वर-वधू का जीवन सुखी बना रहे इसके लिए विवाह से पूर्व लड़के और लड़की की कुंडलियों में गुण और दोष मिलाए जाते हैं। वर-वधू की जन्म कुंडलियों में नक्षत्र आधारित चन्द्रमा की स्थिति के आधार पर निम्नलिखित अष्टकूटों का मिलान किया जाता है- 1- वर्ण, 2- वश्य, 3- तारा, 4- योनि, 5-ग्रह-मैत्री, 6-गण, 7- भकूट, 8- नाड़ी !

इन गुणों का कुल जोड़ 36 बनता है तथा 36 में से जितने अधिक गुण मिलें, उतना ही अच्छा कुंडलियों का मिलान माना जाता है। 20 से कम गुण मिलने पर कुंडलियों का मिलान बहुत ज्यादा शुभ नहीं माना जाता ! इस गुण मिलान की विधि में वर-वधू की कुंडलियों में नवग्रहों में से सिर्फ नक्षत्र आधारित चन्द्रमा की स्थिति ही देखी जाती है तथा बाकी के आठ ग्रहों के बारे में विचार नहीं किया जाता जो व्यवहारिक नहीं है क्योंकि, यदि किसी युगल की पत्रिका में 30 अथवा 32 गुण मिलने के बाद भी तलाक, मुकद्दमे तथा वैधव्य जैसी परिस्थितियां देखने को मिलती हैं तो इसका मतलब यह है कि, केवल गुण मिलान की प्रचलित विधि सुखी वैवाहिक जीवन बताने के लिए अपने आप में पूर्ण नहीं मानी जा सकती है!

कुंडली मिलान में यह देखना चाहिए कि वर-वधू दोनों की कुंडलियों में सुखमय वैवाहिक जीवन के योग विद्यमान हैं या नहीं, कहीं दोनों में से किसी एक कुंडली मे तलाक या वैध्वय का दोष विद्यमान तो नहीं है , या फिर शापित योग, अंगारक योग, चांडाल योग, मांगलिक दोष, पित्र दोष या काल सर्प दोष जैसे और भी कई अशुभ योग उपस्थित हों तो, इनके कारण से वैवाहिक जीवन में कोई बाधा तो उत्पन्न नहीं हो जाएगी ! सुखद वैवाहिक जीवन के लिए वर की कुंडली में शुक्र व चंद्र एवं कन्या की कुंडली में गुरु व मंगल ग्रह की भी मजबूत स्थिति पर भी विचार करना आवश्यक होता है।

इसके पश्चात वर तथा वधू दोनों की कुंडलियों में आयु की स्थिति, आर्थिक सुदृढ़ता, संतान योग, स्वास्थय योग तथा सामंजस्य देखना चाहिए। इसलिए कुंडलियों के मिलान में वर-वधु दोनों की कुंडलियों का सम्पूर्ण निरीक्षण करना अनिवार्य है , सिर्फ गुण मिलान के आधार पर कुंडलियों का मिलान करने के कई बार दुष्कर परिणाम भी देखने को मिल जाते हैं। कुंडली में कई अशुभ योगों की उपस्थिति हो, तो बहुत ज्यादा गुण मिलान होने पर भी इन अशुभ योगों के कारण वैवाहिक जीवन में परेशानी सामने आती रहती है।

इसलिए विवाह के समय ज्योतिष के अच्छे जानकार व्यक्ति के द्वारा संपूर्ण कुंडली का मिलान कराना चाहिए ना कि केवल गुण मिलान की अधिक संख्या को आधार बनाकर विवाह की सहमति दे देनी चाहिए। वैवाहिक जीवन में शुभता के लिए विवाह भी श्रेष्ठ मुहूर्त में करना अच्छा होता है।

डॉ. योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
website- https://www.astrologeryogesh.com

पति प्रशंसा दिवस

क्या आप जानते है, कि अप्रैल के तीसरे शनिवार को विश्व में पति प्रशंसा दिवस (Husband appreciation day) मनाया जाता है, इस बार **यह 16 अप्रैल** को आ रहा है। पति प्रशंसा दिवस पर, महिलाएं अपने पति की सराहना करती हैं। पत्नियां अपने पति को बधाई देकर, उपहार देकर, पसंदीदा भोजन बनाकर जैसी छोटी छोटी बातों के माध्यम से पति को प्रसन्न करती हैं। यह दिन मौज-मस्ती की भावना तथा भाग्यशाली जीवनसाथी को रचनात्मक और विचारशील होने का अवसर देती है।

जिन पत्नियों ने अपने पतियों को यह नहीं बताया है कि उसके पति अच्छे हैं तथा परिवार के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध है, उन्हें इस दिन का उपयोग इसे व्यक्त करने के लिए करना चाहिए। इस दिन पुरुषों को उनकी पसंदीदा गतिविधियों को करने के लिए कहा जाना चाहिए।

अनेक प्राचीनतम सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं में पति को जीवन पर्यन्त, पत्नि और परिवार के संरक्षक के रूप में माना गया है। वित्तीय और अन्य परिवार नियोजन के निर्णयों में पति की भूमिका, घर का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति तथा परंपरागत रूप से सम्मानजनक रही है।

किन्तु पिछले तीन दशकों में संस्कृति में बदलावों ने इस स्थिति को परिवर्तित कर दिया हैं। पति और पत्नियों के बीच अधिक समानता देखी जा रही है- पति खाना पकाने, सफाई और बच्चों की देखभाल जैसे अनेक घरेलू कार्य कर रहे हैं, वही पत्नियां पूर्णकालिक नौकरी/व्यवसाय कर रही हैं और अपने पतियों की तुलना में अधिक पैसा कमा रही हैं।

भारतीय महिलाएं अपने पति के बारे में सामान्यत: सराहना करती हैं, कि उसका पति- 1. स्मार्ट हैं, 2. पत्नि के लक्ष्यों और इच्छाओं का समर्थन करता हैं, 3. मेहनती हैं, तथा उनके पास पैसे की कमी नहीं है, 4. उपहार लाता है तथा पत्नी की इच्छा का सम्मान करता हैं, 5. पत्नी का बनाया खाना पसंद करता है, 6. पत्नि के मायके वालों का पूरा सम्मान करता है। वहीं विदेशी महिलाओं का कहना है कि उनके पति समय-समय पर उनके लिये उपहार लाते रहते है, प्रत्येक छुट्टी को फिल्म दिखाते है या क्लब ले जाते है।

क्या पति प्रशंसा दिवस के साथ इस भांति के अन्य दिवस भी होते है?

जी हाँ, 26 जनवरी को **राष्ट्रीय जीवनसाथी दिवस** मनाया जाता है। यह दिन पति-पत्नी को एक-दूसरे की सराहना करने और अपने जीवनसाथी के लिए समय निकालने के लिए समर्पित है। **पत्नी प्रशंसा दिवस**, सितंबर में तीसरे रविवार को आता है, इस को मनाने की परंपरा, पति प्रशंसा दिवस के समान ही है।

वैसे हम चाहें ये दिवस मनाये या नहीं परन्तु एक-दूसरे की प्रशंसा, आपसी सहयोग व उपहार देने से पति-पत्नी में आपसी विश्वास तो बढ़ेगा ही उनके वैवाहिक रिश्ते भी अधिक मजबूत होंगे।

शादियों में धन के साथ अन्न का अपव्यय भी रोकें

धन का अपव्यय

शादियों में स्वयं को समर्थ और सम्पन्न बताने की अंधी दौड़ व्यक्ति व समाज को कहाँ ले जायेगी यह कहना तो क्या सोचना भी मुश्किल है। जिस नकली चकाचौंध को बताने के लिए यह वैभवपूर्ण आयोजन किया जाता है, क्या वह व्यक्ति वास्तविक जिदंगी में वैसा ही है? यदि नहीं तो शादी के बाद उसकी मुश्किल बढ़ना निश्चित है। शादी तो सादगी से भी हो सकती थी फिर स्वयं को आर्थिक अंधकार में धकेलने वाली होड़ से क्या लाभ? क्योंकि शादी के बाद भी अनेक अवसर आते हैं तथा अपना सामाजिक-आर्थिक स्तर कायम रख पाने के लिए वैसी ही सम्पन्नता उन आयोजनों में दिखानी होगी। **तो आर्थिक चक्रव्यूह में फंसना क्या समझदारी है? इस पर व्यक्ति व समाज विचार करें।** क्योंकि एक व्यक्ति के वैभव दिखाने की प्रतिस्पर्धा परिवार व समाज के अन्य लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, विशेषकर उन लोगों पर जो सम्पन्न नहीं है।

अन्न का अपव्यय

प्राय: शादियों में अनेक प्रकार के व्यंजन बना कर सम्पन्नता का प्रदर्शन किया जाता है। इनमें जो डिशेज बनायी जाती है उनकी सूची लम्बी से लम्बी होती जा रही है। आमजन तो इन सब डिशेज के नाम भी नहीं जानता। साथ ही बने हुए सभी व्यंजनों को चख पाना भी मुश्किल होता है। अधिक प्रकार के व्यंजनों के कारण व्यक्ति इन्हें अपनी प्लेट या थाली में रख तो लेता है पर खा नहीं पाता और इन्हें जूठन के रूप में छोड़ देता है तथा भोजन बर्बाद होता है।

भारतीय संस्कृति में अन्न के एक-एक दाने का महत्व समझा गया तथा जूठन छोड़ना अन्न देवता का अपमान माना गया है। पर अधिक प्रकार के व्यंजनों के होने पर अधिक स्वादिष्ट व्यंजन को खाना तथा कम स्वादिष्ट लगे व्यंजनों को छोड़ना मानव प्रवृत्ति है और जूठन रहना स्वभाविक है।

जिसकी शादी है उसके पिता ने जीवनभर की बचत अपनी बेटी-बेटे की शादी की दावत में खर्च की है। तो हम सोचे कि **''उतना ही ले थाली में नहीं जाये भोजन नाली में।''** मेहमान अन्न के महत्व को अवश्य समझे, वहीं मेजमान भी अतिरिक्त व्यंजन बना कर गलत परम्परा को बढ़ावा न दे एवं व्यंजनों की संख्या सीमित रखे।

यदि आप शादी समारोह के दूसरे दिन विवाह स्थल के पास से गुजरे तो जूठी भोजन सामग्री व डिस्पोनेबल आर्टिकल्स के ढेर तथा उसमें से आ रही बदबू आपको जरूर सोचने को मजबूर कर देगी कि क्यों जूठन छोड़ी जाती है? शादी में थककर मेजबान वहाँ नहीं आता अन्यथा छोड़ी गई जूठन की मात्रा को देख उसका दिल तो बैठ ही जाता। हम दूसरी ओर प्रदूषण को भी बढ़ा रहे हैं, विवाह स्थलों के नजदीक रहने वालों के लिए कितनी समस्या उत्पन्न होती है, जरा सोचिये। **एक अनुमान के अनुसार एक तिहाई खाद्यान्न तो बर्बाद कर दिया जाता है।** क्या आप भी इस बर्बादी में सहायक रहना चाहते हैं? सोचिये जरूर।

लेखक को एक जैन परिवार के समारोह में जाने का अवसर मिला। वहाँ देखा कि जूठा नहीं छोड़ने के बैनर लगे थे। कुछ वरिष्ठ लोग डस्टबीन के पास खड़े थे, यदि कोई मेहमान प्लेट/थाली में जूठन छोड़ता तो उससे हाथ जोड़कर आग्रह करते थे कि **कृपया प्लेट में बचा हुआ खाना भी खाएं तथा उसके बाद प्लेट रखें।** पूछने पर ज्ञात हुआ कि ऐसा करने से अब जैन परिवारों में समझदारी विकसित हो गयी है, वे अब जूठा नहीं छोड़ते हैं। अब 1000 लोगों के कार्यक्रम में एक-आध किलो से ज्यादा जूठन नहीं रहती है। आइए, हम भी इससे सीख लेकर अनुसरण करें।

भारत जैसे देश में भूखमरी की गम्भीर समस्या है। Global Hunger Index 2021 की रिपोर्ट के अनुसार 117 देशों में भारत का स्थान 101वाँ है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका की स्थिति इस इन्डेक्स में हमसे बेहतर है। *देश में एक तिहाई आबादी के पास दो टाईम का भोजन उपलब्ध नहीं है, यहां प्रतिवर्ष लाखों बच्चे भूख से मर जाते हैं तथा बच्चों एवं महिलाओं में कुपोषण से बीमार होने की संख्या चौंकाने वाली है।* **एड्स, मलेरिया और आतंकवाद से जितनी मौतें होती हैं उससे ज्यादा तो भूख से हो जाती है।** वो भी तब जब गरीबों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली से राशन वितरण होता है, अक्षय पात्र जैसी संस्थाएं बच्चों के स्कूलों में मिड-डे-मील में गर्म व पौष्टिक खाना सप्लाई करके सहयोग करती है। यह सही है कि **'अन्न की कमी चुनौती नहीं है, अपितु जिसे इसकी जरूरत है उस तक निरन्तर उपलब्ध कराना चुनौती है।'** इस कारण प्रतिवर्ष एक तिहाई खाद्यान्न तो उपयोग में ही नहीं आ पाता।

आईये हम शादियों में धन व अन्न का अपव्यय रोकें, मेहमान प्लेट में जूठन नहीं छोड़े तथा बचे हुए तैयार भोजन (Ready to Eat) जो खराब हो सकता है उसे तत्काल किसी NGO/सामाजिक संस्थाओं आदि के माध्यम से जरूरतमंदों को पहुँचाएं तथा भुखमरी से लोगों को बचा कर पुण्य कमायें। यह आपको आत्म-संतुष्टि अवश्य देगा। आप यह शुरुआत दैनिक जीवन में अपने घर से भी कर सकते हैं। बच्चों को भी इस हेतु प्रेरित कर सकते हैं।

-रमेश कुमावत (गैदर)

सीए जया कुमावत से वार्ता

जया, सर्वप्रथम तो चार्टेड एकाउन्टेंट की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आपको हार्दिक बधाई। हमारे पाठकगणों को जानकारी के लिए आपसे वार्ता कर हम जानेंगे, सीए परीक्षा के बारे में-

प्रश्न : सीए परीक्षा में अनेक परीक्षार्थी तो उत्तीर्ण नहीं हो पाने से सीए करना बीच में ही छोड़ देते हैं। फिर भी आपने क्यों इस क्षेत्र में जाने का जोखिम उठाया ?

उत्तर : मैं स्कूल में थी तब से ही मेरा सीए बनने का ही सपना था यह जानते हुए भी कि सीए का रिजल्ट कुछ प्रतिशत ही रहता है फिर भी मैं इस क्षेत्र में गई क्योंकि मुझे अपना सपना पूरा करना था।

प्रश्न : सीए के क्षेत्र में पुरुष प्रभुत्व रहा एवं जाति विशेष के सीए ही सफल हुए। इसे जानते हुए भी इस क्षेत्र में जाने का क्या कारण रहा ?

उत्तर : मेरे परिवार में कोई सीए नहीं है। मैं परिवार की पहली सीए बनना चाहती थी। मैं जानती थी कि यह मेरे लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। खुशी है कि अब लगभग 40 प्रतिशत लड़कियां इस फील्ड में है।

प्रश्न : आप प्रतिभावान हैं, अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुई हैं। आप किस क्षेत्र में जाने का विचार रखती हैं, बतायें।

उत्तर : मेरा रुझान ऑडिट और फाइनेंस में है मैं अपना करियर एक बड़ी कंपनी में बनाना चाहती हूँ जहां मुझे अच्छी ग्रोथ और काफी कुछ सीखने को मिले।

प्रश्न : सीए की तैयारी आपको क्या-क्या कठिनाइयाँ आयीं, कितने प्रयास में सफल हुईं तथा कैसे सफलता हासिल की ?

उत्तर : सीए बनने के सफर में मुझे भी असफलताओं का सामना करना पड़ा जिसकी वजह से मेरा आत्मविश्वास कम होने लगा पर मेरे परिवार ने हमेशा ही मेरा साथ दिया और मैंने भी कभी हार नहीं मानी और आखिरकार सफल हुई।

प्रश्न : समाज के युवा जो इस क्षेत्र में आना चाहें उनके लिए आप प्रेरणा स्रोत हैं। उन्हें क्या संदेश व मार्गदर्शन देना चाहेंगी ?

उत्तर : असफलता से न घबराएं एवं हार नहीं मानें। असफलताओं से ही सीखा जा सकता है। अगर हम मेहनत करते हैं तो हमें उसका फल मिलता ही है।

प्रश्न : लेखांकन, आयकर/जीएसटी रिर्टन फाइलिंग, पूंजी सृजन, वित्तीय संस्थाओं से फाइनेन्सिंग तथा सरकारी अनुदान/सहायता की हमारे समाजजनों को जानकारी नहीं है। क्या आप उनकी मदद कर पायेंगी ?

उत्तर : हां जरूर समाज की सहायता के लिए मैं हमेशा तत्पर हूं और मुझेसे जैसे हो पाएगा मैं, हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहूंगी।

नये सदस्य

5/108 श्री हेमराज मारोठिया, लालकोठी स्कीम, जयपुर
5/109 श्री शशि कुमार खड़गटा, मानसिंहपुरा, टोक रोड, जयपुर
5/110 श्री रवि कुमार खोवाल, सांगानेर, जयपुर
5/111 श्रीमती राजबाला बर्थला, कल्याण जी का रास्ता, जयपुर
5/112 श्री राजकुमार मारवाल, शास्त्रीनगर, जयपुर
5/113 श्री राधेश्याम बारवाल, बारावालों की ढाणी, बगरू,
5/114 श्री अशोक सिरोहिया, खातीपुरा रोड, जयपुर
5/115 श्री किशन मारवाल, सोडाला, जयपुर
5/116 श्री गुरुदयाल वर्मा सोडाला, जयपुर
5/117 श्री गोविन्द वर्मा, सोडाला, जयपुर
5/118 श्री महेन्द्र कुमावत, सोडाला, जयपुर
5/119 श्री गिरधारी लाल गैदर, कल्याणजी का रास्ता, जयपुर
5/120 श्री रामस्वरूप, रामनगर, सोडाला, जयपुर
5/121 श्री गोपाल सिंह होदकास्या, कालवाड़ रोड, जयपुर
5/122 श्री अर्जुन लाल दोराया, महावीर नगर, जयपुर
5/123 श्री शंकर लाल भुरोदिया झोटवाड़ा, जयपुर
5/124 श्री धनराज कुमावत मान्यावास, मानसरोवर,ज यपुर
5/125 श्री कैलाश चनद बड़ीवाल, हीरापुरा, जयपुर
5/126 श्री नाथू लाल नरानिया, सी-स्कीम, जयपुर
5/127 श्री संदीप कुण्डलवाल, ईमली फाटक, जयपुर
5/128 श्री रामनिवास कुमावत, निवारू रोड, जयपुर
5/129 श्री पूरण चन्द बारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि./133 श्री विमल कुमावत, करतारपुरा, जयपुर
वि./134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि./135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, न्यू सांगानेर, जयपुर
वि./136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
सं./123 श्री हरि भगवान कुमावत, रेलवे स्टेशन के पास, चौमूं
सं./124 श्री कैलाश चन्द दम्बीवाल, इटावा भोपजी, चौमूं
सं./125 श्री राजीव आसलीवाल, ओझाजी का बाग, जयपुर
10/208 श्री राजेश कुमार दम्बीवाल, नावांसिटी, नागौर
10/209 श्री राधेश्याम कुमावत, गोकुलपुरा, जयपुर

नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित

क्र. सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान / लेवल	अधिकतम आयु	योग्यता	अंतिम तिथि	वेबसाईट का पता
1	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर	वनपाल	87	लेवल–2	40	12वीं	29.3.2022	https://sso.rajasthan.gov.in / signin ऑन लाइन आवेदन मान्य
2	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर	वनरक्षक	1041	लेवल–2	40	12वीं	29.3.2022	https://sso.rajasthan.gov.in / signin ऑन लाइन आवेदन मान्य
3	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर	पशुधन सहायक	54	लेवल–4	40	12वीं विज्ञान से	17.4.2022	https://sso.rajasthan.gov.in / signin ऑन लाइन आवेदन मान्य
4	विज्ञान एवं तकनिकी विभाग, भारतसरकार	वैज्ञानिक	9	लेवल–11	40	संबंधित विषय में स्नात्त्कोत्तर	30.4.2022	https://dst.gov.in/sites/default/files/Final%20advertisement.pdf ऑफलाइन आवेदन मान्य
5	कर्मचारी राज्य बीमा निगम, भारत सरकार	pplL=j^k^dbo	VP	लेवल–7	27	स्नात्तकोत्तर	12.4.2022	www.esic.nic.in ऑन लाइन आवेदन मान्य
6	परमाणुऊर्जाविभाग, भारतसरकार	तकनिकीअधिकारी	5	लेवल–11	40	संबंधित विषय में स्नात्त्कोत्तर	02.4.2022	www.nfc.gov.in केवलहस्तलेखित ऑफ लाइनआवेदनमान्य
7	राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित और विकास निगम	मेनेजर	1	लेवल–7	30	स्नातकोत्तर	31.3.2022	www.nstfdc.tribal.gov.in ऑफलाइन आवेदन मान्य
8	राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित और विकास निगम	सहायकमेनेजर	2	लेवल–4	27	स्नातकोत्तर	31.3.2022	www.nstfdc.tribal.gov.in ऑफ लाइन आवेदन मान्य
9	राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित और विकास निगम	सहायक	7	लेवल–2	27	स्नातक एवं 3 वर्षीय अनुभव	31.3.2022	www.nstfdc.tribal.gov.in ऑफ लाइन आवेदन मान्य
	कुल रिक्तियाँ		**1299**					संकलनकर्ता **मनीष कुमावत,** सांगानेर

गौर-गौर गणपति ईसर पूजे, पार्वती .....

पृष्ठ 16 से आगे...

आखिर गणगौर का यह त्योहार मनाया क्यों जाता है?

गणगौर पूजन के पीछे मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव जी को अपने पति के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या और कठिन साधना के साथ-साथ व्रत भी रखा था। माता पार्वती ने इतनी कठोर तपस्या की थी कि भगवान शिव माता पार्वती के समक्ष प्रकट हुए। कठिन तपस्या व साधना से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने माता पार्वती हो वरदान मांगने को कहा। माता पार्वती ने वरदान के लिए मना कर दिया तब भगवान शिव ने उन पर जोर डाला कि आप वरदान मांगिए। माता पार्वती ने भगवान शिव से वरदान स्वरूप उन्हें अपने पति के रूप में मांग लिया। भगवान शिव के वरदान के रूप में माता पार्वती की इच्छा पूर्ण हो गई और इसके पश्चात माता पार्वती जी का विवाह भगवान शिव भोलेनाथ के साथ हो गया।

तभी से यह माना जाता है कि भगवान शिवजी ने इस दिन माता पार्वती को इस वरदान के साथ-साथ अखंड सौभाग्यवती होने का वरदान दिया था। माता पार्वती ने यह वरदान न केवल अपने तक सीमित रखा, वरन् माता पार्वती ने यह वरदान सभी महिलाओं को दिया जो इस दिन मां पार्वती और शंकर भगवान की पूजा कर रही थी। ऐसा माना जाता है कि तब से ही गणगौर की पूजा लोगों के द्वारा मनाई जाने लगी और इन सभी के पश्चात गणगौर की पूजा इतनी प्रसिद्ध हो गई कि भारत के अन्य राज्यों में भी मनाई जाने लगी।

गौरी और ईसर की मूर्तियों को नए परिधानों में तैयार किया जाता है और विशेष रूप से इस अवसर के लिए बनाए गए शानदार आभूषणों से सुसज्जित किया जाता है। खूबसूरती से सजी हुई प्रतिमाएं ऐसी लगती हैं, जैसे इन लड़कियों और विवाहित महिलाओं द्वारा जीवन में उतारी जाती हैं। विवाहित महिलाओं के सिर पर रखी गई ईसर और गौरी की मूर्तियों को दोपहर में एक जुलूस में एक बगीचे, बावड़ी या जोहड़ या कुएं में ले जाया जाता है। गौरी के पति के घर चले जाने से विदाई गाने गाए जाते हैं। गौरी की मूर्ति को जुलूस में मौजूद महिलाओं द्वारा पानी चढ़ाया जाता है। अंतिम दिन, जुलूस कुएं/तालाब/नदी में सभी मूर्तियों के विसर्जन के साथ समाप्त होता है। महिलाएँ गौरी से विदाई लेती हैं और आंसू भरी आँखों से अपने घर की ओर लौटती हैं और इस तरह गणगौर महोत्सव का समापन होता है।

-सोनम कुमावत
बरकत नगर, जयपुर

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

19 फरवरी श्री अजय कुमावत पुत्र श्री राम कुमार जालवाल, खातीपुरा, जयपुर
19 फरवरी श्रीरामप्रसाद बबेरीवाल, जगदम्बा नगर, हाथोज, जयपुर
21 फरवरी श्री ओम प्रकाश जी नोखवाल,दांतारामगढ़, सीकर
21 फरवरी श्री अभिषेक दौराया निवासी शास्त्री नगर, जयपुर
21 फरवरी श्री लल्लू लाल धुंधारिया, दुर्गापुरा, जयपुर
22 फरवरी श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री हनुमान प्रसारद किरोड़ीवाल, रेनवाल
23 फरवरी श्रीमती गुलाबी देवी धर्मपत्नी सव. श्री तोलालरामजी मारवाल, नवलगढ़
24 फरवरी श्री नवरतन कुमावत पुत्र स्व. धन्नालाल गुड़ीवाल, गोनेर, जयपुर
25 फरवरी श्रीमती गीतादेवी धर्मपत्नी श्री सूरज खोवाल, सिविल लाईन्स, जयपुर
26 फरवरी श्री लल्लू राम राजोरिया, देवथला, चौमूं
26 फरवरी श्री सीताराम जी मणेठिया, बोराज, जयपुर
26 फरवरी श्रीमती बादामी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द घोड़ेला, मोतीडूंगरी, जयपुर
27 फरवरी श्री रामबिलास ओस्तवाल, सांवेर, इंदौर।
28 फरवरी श्री पूरणचन्द दौराया, ढाणी कुमावतान, सांगानेर, जयपुर
1 मार्च श्रीमती प्रेम देवी धर्मपत्नी श्री कन्हैयालाल कुलचाणिया, झोटवाड़ा, जयपुर
1 मार्च श्री ताराचंद जी पुत्र स्व. श्री जीवनराम बधानिया, कालवाड़ रोड, जयपुर
2 मार्च श्री किशोर कुमार पारमवाल पुत्र श्री जेवरीलाल थांवला, नागौर
3 मार्च श्रीमती चांददेवी धर्मपत्नी स्व. श्री पूरणमल साड़ीवाल, शास्त्री नगर, जयपुर
3 मार्च श्री सुरेन्द्र कमुमार खरकटा कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
5 मार्च श्रीमती गीता देवी पत्नी स्व. श्री सीताराम घोड़ेला, मदनगंज-किशनगढ़
9 मार्च श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी स्व. रामरिछपाल जलेन्द्रा, कोटपुतली
12 मार्च श्री बाबूलाल जी मारवाल पुत्र स्व. श्री बद्रीनारायण, शास्त्रीनगर, जयपुर
14 मार्च श्री जगदीश जी अनावड़िया, इन्द्रपुरी कॉलोनी, लाल कोठी, जयपुर
14 मार्च श्री मोहन लाल वर्मा पुत्र स्व. श्री घासीराम देवतवाल, सी-स्कीम, जयपुर
14 मार्च श्री किशनलाल जी दम्बीवाल कांकड़वाली ढाणी, गुढ़ा बैरसल, जयपुर
15 मार्च श्री भंवरलाल जी मारवाल, गुढ़ा बैरसल, मोजमाबाद, जयपुर

KPL सेशन 5 अब मई महीने में

बच्चों की परीक्षाओं के कारण अब नगर महासभा, उदयपुर द्वारा आयोजित KPL सेशन 5 अब अप्रैल माह की बजाय मई महीने में आयोजित किया जाएगा ।

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
भागचंद	M.Sc. RS-CIT	Home Tuition	05.10.99	5'6''	कुदाल	राहोरिया	जलांदरा	धुंधारिया	9252110774	अजमेर
राहुल	B.Tech(Civil)	Civil Engi. in Pune	10.7.96	5'9''	आशीवाल	तुनगरिया	सोकिल	मारवाल	8107336470	सीकर
रविकुमार	B.Com ITI	Teaching	10.2.93	5'8''	आशीवाल	तुनगरिया	सोकिल	मारवाल	8107336470	सीकर
अविनाश	B.TEch(Comp).	Engi in MNC	3.1.94	5'11''	बालोदिया	दोराया	मारवाल	जालवाल	9829053480	जयपुर
अजय	B.A. Comp. desi	Graphic Designer	2.9.96	5'9''	नहवाल	होदकास्या	कंठूमरा	तोंदवाल	8875861634	जयपुर
मोहित	B.Com.	विकास अधिकारी LIC	30.12.96	5'10''	खाटूवाल	भौरोदिया	गैदर	सिरस्वा	8619876648	जयपुर
मनोज	10वीं	Electrician Contractor	16.7.90	5'6''	गैदर	नरानिया	घोड़ेला	मारवाल	7597438403	फुलेरा
लक्ष्मी	M.A.	Private Job.	26.12.93	5'0''	नरानिया	रेनीवाल	छापोला	पारमवाल	7232873858	अजमेर
उत्तम	B.Tech.(Civil)	Ardni & Vastu consultant	24.4.93	5'9''	मामोडिया	कोलगूरिया	नीमीवाल	तोंदवाल	9829017836	जयपुर
प्रितिस	B.Tech.(Compu.)	Job in Binaca	8.3.96	5'11''	धमुनिया	माचीवाल	फूफवाल	सिंघाटिया	9460662001	अजमेर
गौरव	B.Tech(IT)	Sr. Developer in MNC	12.7.90	5'10''	दया	बंशीवाल	बागरेचा	घटेलवाल	9887431401	उदयपुर
हीरालाल	M.Com, ABST	Accountant	5.5.94	5'9''	मारवाल	जलान्दरा	बैताड़िया	देवतवाल	7742209728	बोबास
आदित्य	M.Com., MBA	Manager IDFC bank	10.7.95	5'10''	मारवाल	बबेरवाल	सोकल	खोराणिया	8233101045	चौमूं
करण	M.Sc. (Chemistry)	Chemist Pvt..Ltd.	3.11.93	5'7''	बंशीवाल	कारगवाल	सालडीवाल	मुनेनिया	9252747915	भीलवाड़ा
गोपाल	Post Graduate GNM	Soni Hospital	25 वर्ष	5'4''	घटेलवाल	बबेरवाल	सारड़ीवाल	मारोठिया	7229862666	सीकर
पुष्पेन्द्र	B.A. Computer course & Fbirc decorator		28.12.90	5'6''	देवतवाल	करोडीवाल	बिलोदिया	कुदाल	9636536651	जयपुर
श्यामकमल	C.A.	Assitt. Manager MNC Gujrat	1.12.92	5'7''	बालोदिया	मारवाल	बड़ीवाल	आईथान	9414075939	जयपुर
हितेष	MBA	Bank	19.9.96	5'7''	दोराया	जूनवाल	भोरोदिया	आसीवाल	9252619413	निवाई

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
भावना	B.A.	-	8.9.2000	-	सिंघीवाल	किरोड़ीवाल	कुण्डलवाल	कारगवाल	9166590610	ब्यावर
शीला	M.Com. C.A.	CA	4.4.93	5'0''	साड़ीवाल	बधानिया	टांक	गोठवाल	9413263458	उदयपुर
खुशबू (Divorce)	B.A.	Private Teacher	12.6.93	5'3''	दंबीवाल	किरोड़ीवाल	खाटूवाल	तूंदवाल	6378252795	ब्यावर
लवीना	M.Com.	Private job	24.2.96	5'2''	मारवाल	आसीवाल	राजोरिया	देवतवाल	8058254237	जयपुर
प्रगति	M.A. (Drawing)	-	01.10.96	5'5''	सब्ली	सिंगलीवाल	राजोरा	बंदवाल	9571313451	कोटा
तनीशा (आ.मांगलिक)	B.A.	-	21.9.2001	-	मारोठिया	सिरसीवाल	कुदीवाल	मालीया	9752477633	किशनगढ़
तमन्ना	M.A., B.Ed.	Private Teacher	3.3.94	5'4''	कोलगूगरिया	लोहरवाड़िया	बबेरवाल	मारोठिया	9413419109	जयपुर
आरती	M.A.	सिलाई पार्लर	26 वर्ष	-	नेमीवाल	मारोठिया	घोड़ेला	कुदाल	9983315052	फुलेरा
रीतु	GNM, Nursing, MA	Nurse, Private Teacher	3.8.92	5'2''	कुण्डलवाल	दम्बीवाल	होदकास्या	बडबूण्डी	9001956606	जयपुर
शशी (तलाकशुदा)	M.A(Hindi)	-	25.5.90	5'1''	उदयवाल	मारोठिया	मारवाल	केलुगरिया	9414236451	दूदू
चन्द्रकान्ता	B.A. (Ist year)	-	01.06.97	5'0''	खोराणिया	जेठीवाल	जलान्दरा	माचीवाल	9414455586	सांभरलेक
सोनिया	B.A. (Final)	-	10.1.2000	5'3''	खोराणिया	जेठीवाल	जलान्दरा	माचीवाल	9414455586	सांभरलेक
बेला	B.A.	-	22.10.2000	5'3''	खोराणिया	अनावडिया	जलान्दरा	रतीवाल	9414455586	सांभरलेक
लक्ष्मी	M.A. (Drawing)	Private Job	26.12.93	5'0''	नरानिया	रेनीवाल	छापोला	पारमवाल	7232873858	अजमेर
चेतना	B.A.,classical dip	Event Management	8.10.94	5'2''	रोहारिया	घोड़ेला	देवतवाल	तोदंवाल	9829762031	जयपुर
श्वेता	M.Com(Pursing)	-	28.10.98	5'5''	राजोरिया	देवतवाल	घोड़ेला	मारोठिया	9414433137	कुचामनसिटी
रितिका	M.Com,	-	07.1.94	5'2''	अनावड़िया	खोवाल	होदकास्या	सिरोहिया	9828992089	सांगानेर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें। -सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 23 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

श्रीमती भारती तोंदवाल, सचिव कुमावत इंडिया पत्रिका की एक्सक्लूसिव बातचीत

सीए बनी भूमिका कुमावत सफलता की कहानी उन्हीं की जुबानी

राजस्थान प्रदेश के अजमेर जिले की भूमिका कुमावत ने पूरे देश में अजमेर अचल का नाम रोशन किया है। चार्टर्ड अकाउंटेंट फाइनल परीक्षा में भूमिका कुमावत ने सफलता हासिल की है। खुशी के इस मौके पर कुमावत इंडिया पत्रिका ने सीए भूमिका कुमावत से खास बातचीत कर जाना उनकी सफलता का राज।

प्रश्न : सीए परीक्षा का रिजल्ट अत्यधिक कम रहता है, फिर भी आपने इस क्षेत्र में जाने का जोखिम उठाया, क्या कारण रहे ?

उत्तर : मेरा बचपन से ही सी.ए. बनने का सपना था। मुझे लगा कि सी.ए. ही एक ऐसा जरिया है जिससे मैं स्वयं ऑफिस खोल सकती हूँ।

प्रश्न : सीए करने के लिए कितनी परीक्षाएं पास करनी होती है ?

उत्तर : सीपीटी (एंट्रेंस एग्जाम), आईपीसीसी (इंटरमीडिएट एग्जाम) और फाइनल सीए एग्जाम।

प्रश्न : सीए करने के लिए क्या योग्यता चाहिए ?

उत्तर : 12वीं के बाद सीपीटी की परीक्षा जिसमें ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाते हैं, इसे उत्तीर्ण करने के बाद आईपीसी की परीक्षा जिसमें लॉ, ऑडिट, टैक्स पर आधारित सब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाते हैं, इसे उत्तीर्ण करने के बाद किसी सीए के अधीन इंटर्न के रूप में काम करना होता है।

प्रश्न : सीए बनने के किस प्रकार तैयारी की जानी चाहिए ?

उत्तर : एक व्यवस्थित तरीके से नियमित पढ़ाई करना एवं सभी विषयों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। ट्यूशन और प्रोफेशनल के साथ सेल्फ स्टडी जरूरी है।

प्रश्न : आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहती है ?

उत्तर : माता-पिता, गुरुजनों के आशीर्वाद एवं अथक प्रयास से यह सफलता प्राप्त की है।

प्रश्न : समाज के युवाओं की आप प्रेरणास्त्रोत हैं। आप युवाओं को क्या मार्गदर्शन एवं संदेश देना चाहती हैं ?

उत्तर : सीए में अध्ययनरत छात्रों को पहले विषय को समझना फिर उसके नोटस तैयार कर नियमित पढ़ाई करनी चाहिए।

हिन्दू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

टीम चेतन धुंधारिया
के स्थापना दिवस
(13 अप्रैल)
की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छुः
राजेश कुमावत (धुंधारिया)
पार्षद वार्ड नं. 48, हेरिटेज नगर निगम, जयपुर
मो. : 9314506330, 9314606330

कुमावत समाज के शिक्षकों का राज्य स्तर पर अभिनंदन

पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान तथा तेजकरण डंडिया सूरज बाई डंडिया मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से इस फोरम के संस्थापक व संरक्षक शिक्षाविद तेजकरण डंडिया की स्मृति में, उनकी 111 वीं जयंती पर राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन, श्री महावीर दिगम्बर जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल, जयपुर के सभागार में हुआ। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त 11 शिक्षकों को फोरम की ओर से राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

इसमें कुमावत समाज के दो शिक्षक-(1) प्रसिद्ध मंच उदघोषक स्काउटर व महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, दांता, सीकर के **वरिष्ठ शिक्षक श्री प्रभु दयाल कुमावत (पीपलोदा)** तथा (2) राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, शंभूपुरा, शाहपुरा, भीलवाड़ा के शिक्षक **श्री परमेश्वर प्रसाद कुमावत** को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शॉल, माला, मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र एवं रु 2100 देकर सम्मानित किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दोनों सम्मानीय शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

हिन्दू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

टीम चेतन धुंधारिया
के स्थापना दिवस
(13 अप्रैल)
की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

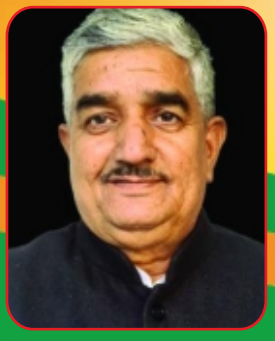

शुभेच्छुः
विमल कुमावत
जयपुर जिला उपाध्यक्ष भाजपा व पूर्व उपमहापौर व पार्षद
नगर निगम, जयपुर मो. 9928193094

आर्टिस्ट हंसराज चित्रभूमि

आजादी के अमृत महोत्सव पर महाराणा प्रताप एयर पोर्ट उदयपुर पर जयपुर के आर्टिस्ट हंसराज चित्रभूमि (कुमावत) ने 7 फुट लम्बा, 4 फुट चौड़ा व 3 फिट मोटाई का स्टील, ब्रास एवं आयरन को फाइबर के ढाँचे में ढालकर '1947 आईस्टैंड लिबरेटिड' तैयार कर स्थायी रूप से इंस्टाल किया है। यह कृति देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करेगी।

इस एयरपोर्ट के सौन्दर्यकरण के लिए मार्बल एसोसिएशन और इंस्प्रिंट आर्ट गैलेरी उदयपुर के कॉलेब्रेशन एवं सहयोग से इस कृति को स्थापित किया गया है। श्री हंसराज चित्रभूमि के द्वारा आयरन इत्यादि स्क्रेप से तैयार की गई अनेक कलाकृतियाँ देश-विदेश में शोभा बढ़ा रही है, इसके तहत-

- सासा गैलेरी, दक्षिण आस्ट्रेलिया में डेनियल कॉनल के सहयोग से ऊंट की आकृति
- होटल क्लाकर्स आमेर, जयपुर में ऊँट की अनुकृति
- रविन्द्र मंच जयपुर पर नाव की आकर्षक कृति
- मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में मानव आकृति
- तिरूपति में लाल चन्दन से महिला आकृति
- कटनी में ''आधारशिला स्टोन आर्ट फेस्टीवल'' में 'विदइन' शीर्षक के साथ 9.8 फुट ऊँचा, 4 फुट चौड़ा तथा 4.3 फुट गहरा मूर्तिशिल्प

श्री हंसराज चित्रभूमि का परिचय : श्री हंसराज का जन्म 1 जनवरी, 1980 को श्रीमती सोनी देवी-श्री हनुमान प्रसाद के यहां हुआ। श्री हनुमान प्रसाद स्वयं आर्टिस्ट हैं तथा राजस्थान राज्य विद्युत मण्डल से सेवानिवृत्त हैं। श्री हंसराज ने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स किया है। वर्तमान में आप पांच्यावाला, सिरसी रोड जयपुर पर निवासरत हैं। आपके भ्राता मिनिएचर आर्टिस्ट राजेश कुमावत एवं श्री अमृत सिरोहिया जैम स्टोन कार्विंग के आर्टिस्ट हैं तथा श्री अमृत सिरोहिया को भारत सरकार द्वारा इन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। इनके छोटे भ्राता रवी भी जैम स्टोन कार्विंग आर्टिस्ट हैं। इनका पूरा परिवार कला के संवर्धन के क्षेत्र में देश को अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका श्री हंसराज चित्रभूमि (कुमावत) की कलाकृति को उदयपुर के एयरपोर्ट पर स्थापित होने पर गौरवान्वित अनुभव करती है तथा युवा आर्टिस्ट श्री हंसराज चित्रभूमि के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

षष्ठम पुण्यतिथि
19 मार्च, 2022

स्व. श्रीमती आशा देवी कुमावत

स्व. 19.03.2016

(पूर्व अध्यक्षा - भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा ईकाई - सांगानेर)

(धर्मपत्नि सोहन लाल अजमेरा)

आपकी सादगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे।
आज हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत:

सोहन लाल कुमावत (एडवोकेट) पति, अजय-पूनम (पुत्र-पुत्रवधु)
कार्तिकेय-परिधि (पौत्र -पौत्री) संग्राम सिंह-ममता, दीपा-बृजेश कुमार
मीनाक्षी-राजकुमार (दामाद-पुत्रियां)

बाजगी तलाई, वार्ड नं. 97 (New), सांगानेर,
जयपुर मो. 9636860812

स्व. 10.03.2009

13वीं पुण्यतिथि
10 मार्च, 2022

स्व. श्रीमती दुर्गा देवी

(पत्नी स्व. श्री रामेश्वर जी किरोड़ीवाल)
(दाँता/ मलाड़-बम्बई निवासी)

माँ

''आप सदा हमारे मन मे बसी रहेंगी''

-रत्नीदेवी, पुरुषोत्तम, लक्ष्मीनारायण, रामचंद्र, मंजू।

श्रद्धावन्त : विमलादेवी, नेमीचंदजी एवं आपका सम्पूर्ण परिवार।

विजय किरोड़ीवाल, श्री राम कंस्ट्रक्शन कंपनी, बम्बई। 9867177188

होलीकोत्सव और रामनवती पर्व पर समाज बंधुओं को हार्दिक बधाई

बधाई

दादाजी
स्व. श्री गणेश नारायण
पुण्य तिथि 05.12.89

दादीजी
श्रीमती गुलाब देवी

कुमावत क्षत्रिय समाज में महिलाओं को उच्च शिक्षा दिलाकर बढ़ावा देने के संकल्प को अग्रणी तथा सामाजिक रूढ़ियों को पीछे धकेलते हुए कु. भूमिका कुमावत ने सी.ए. बनकर एक मिसाल कायम की है जो गौरव की बात है। सेवानिवृत्त मुख्य लेखाधिकारी मोहनलाल कुमावत व श्रीमती भारती कुमावत की सुपुत्री भूमिका कुमावत ने बताया कि, ''उच्च शिक्षा हेतु मन में संकल्प व सपनों को साकार करने की जीद होना जरूरी है।'' भूमिका ने इस सफलता का श्रेय माता-पिता तथा परिवारजनों को दिया है। इसके सी.ए. बनने पर कॉलेज शिक्षा संस्थान की ओर से डॉयरेक्टर व अतिथिगण ने भूमिका को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

बधाई

CA
भूमिका कुमावत
मो. 946296005

बधाई

CS
प्रतीक कुमावत
मो. 9414484390

पापा
मोहनलाल कुमावत
(से.नि. मुख्य लेखाधिकारी)
मो. 9414590632

मम्मी
श्रीमती भारती कुमावत
मो. 953023389
E-mail kumawatmohan1@gmail.com

50वीं पुण्य तिथि

निर्वाण तिथि 23.04.1972

श्रीमती पार्वती देवी

धर्मपत्नि श्री कन्हैयालाल जी लोठ्या

आपके आदर्शों का अनुसरण करते हुए
कृतज्ञ परिजन सजल नयनों से आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

पुत्र	:	प्रेमचन्द, सुवालाल
पुत्रवधु	:	प्रेम, सावित्री
पौत्र	:	बजरंग लाल, सुभाष, सुदर्शन, जगदीश, खेमचंद, कैलाश, शैलेश, शैलेन्द्र, दीपचन्द, ओमप्रकाश
पौत्रवधु	:	भूरी, विमला, बीना, कमलेश, सुमन, कामिनी, आशा, ममता
पौत्री	:	कैलाशी, माया, शारदा, दुर्गा, पुष्पा, आशा, संतोष, शैफाली, शकुन्तला, सुनीता, इन्दिरा
पौत्री दामाद	:	गुलाबचन्द, पन्नालाल, घनश्याम, राजेश बालोदिया, दिनेश, भीमसिंह, राजेश बावला, कैलाश
प्रपौत्र	:	लालचन्द, परमानन्द, इन्दर, रोशन, उमाशंकर, राजीव, संजय, नरेन्द्र, रवि, मुकेश, धर्मेन्द्र, राकेश, अरुण, भव्य, मोहित, रोहित, जतिन
प्रपौत्रवधू	:	लक्ष्मी, मंजू, शशिकला, अनिता, लाड़ली, मीना, अनुभा, रश्मि, विजयलक्ष्मी, कृष्णा
प्रपौत्री	:	राजू, रेखा, पिंकी, मीनू, सीमा, कविता, सुमन, सोनिया, नीलू, ज्योति, किरण, तरंग, चेल्सी
प्रपौत्री दामाद	:	जगदीश, सुभाष, बसन्त, कल्याण सहाय, मनमोहन, सुनील, ओमप्रकाश, शंकर, अनिल, संदीप, अशोक
सरपौत्र	:	कपिल, अक्षय, नितिन, शुभांशु, यश, राम
सरपौत्री	:	नैना, कनिष्का, अन्वी, गुनगुन

2-छ-1, दादाबाड़ी विस्तार योजना, कोटा-324009 मो.: 9414362781, 9414789791

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018